आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 285 | उज्जैन, गुरुवार 04 सितम्बर 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

निवेशकों के व्यापार-व्यवसाय की सफलता की गारंटी हमारी-मुख्यमंत्री

इंटरैक्टिव सेशन में प्राप्त हुए 12 हजार 508 करोड़ रूपये के निवेश प्रस्ताव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हम सब बदलते दौर के साथी हैं। उम्मीदों और अवसरों का विराट क्षितिज हमारे सामने है। अपने सुनहरे भविष्य के निर्माण के लिए निवेश का एक स्वर्णिम अवसर आप सबके सामने है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निवेशकों से आग्रह किया कि वे बेहिचक मध्यप्रदेश में पूंजी लगाएं। निवेश आपका, बिजनेस आपका, प्रॉफिट भी आपका और सरकार की सभी सुविधाएं भी आपके लिए ही हैं। उन्होंने निवेशकों को विश्वास दिलाते हुए कहा कि आप सभी अपने कारोबार में आगे बढ़ें, आपके व्यापार-व्यवसाय की सफलता की गारंटी हमारी सरकार है। मध्यप्रदेश पूंजी निवेश के लिए देश का मॉडल स्टेट बन रहा है। शीघ्र ही धार के पीएम-मित्रा पार्क का भूमि-पूजन होगा। यह पार्क भारत को विश्व की टेक्सटाइल केपिटल बनाने की दिशा में निर्णायक कदम है। हम मिलकर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के स्वदेशी

अभियान अंतर्गत मेक इन इंडिया और विकसित भारत के संकल्प को साकार करेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को नई दिल्ली के होटल आईटीसी मौर्या में मध्यप्रदेश के धार स्थित पीएम-मित्रा पार्क में इन्वेस्टमेंट अपॉर्च्युनिटीज के इंटरैक्टिव सेशन को संबोधित कर रहे थे। इंटरैक्टिव सेशन में केंद्रीय वस्त्र मंत्री श्री गिरिराज सिंह भी मौजूद रहे। सेशन में देश के टेक्सटाइल सेक्टर के बिजनेस टायकून्स, कॉमर्शियल हाउसेस और इन्वेस्टर्स शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने धार जिले के बदनावर के समीप स्थापित होने वाले पीएम-मित्रा पार्क में निवेश की अपार संभावनाओं पर कपड़ा उद्योग से जुड़े विभिन्न उद्योगपतियों से विचार-विमर्श भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पीएम-मित्रा पार्क युवाओं के लिए रोजगार और प्रदेशों के आर्थिक विकास के लिए अहम सिद्ध होगा।

धार पीएम-मित्रा पार्क में 15 कंपनियों ने दिखाई रूचि, दिए निवेश के प्रस्ताव मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि आज दिल्ली में हुए इंटरैक्टिव सेशन में शामिल उद्योगपतियों ने मध्यप्रदेश में टेक्सटाइल सेक्टर में निवेश की रूचि दिखाई है। इससे 15 बड़ी कंपनियों से 12,508 करोड़ रूपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए है। इनमें लगभग 18 हजार से अधिक रोजगार सृजित होने की संभावना है। निवेश करने वाली कंपनियों में ट्राइडेंट ने 4500 करोड़ रूपये, ए.बी. कॉटस्पिन इंडस्ट्री ने 1300 करोड़ रूपये, अरविंद मिल्स ने 1024 करोड़ रूपये, सनातन टेक्सटाइल्स ने 1000 करोड़ रूपये, बीएसएल सदस्यों ने 1000 करोड़ रूपये, बेस्ट कॉर्पोरेशन तिरूपुर ने 832 करोड़ रूपये, शर्माजी यार्न प्रा. लि. ने 800 करोड़ रूपये, आरएसवीएम (एलएनजे भीलवाड़ा) ने 700 करोड़ रूपये आदि।

केंद्र सरकार का बड़ा फैसला, इन तीन देशों से भारत आए अल्पसंख्यकों को बगैर पासपोर्ट रहने की इजाजत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से भारत आए अल्पसंख्यकों के पासपोर्ट नियमों में बदलाव किया गया है। गृह मंत्रालय ने आदेश जारी करते हुए कहा कि 31 दिसंबर 2024 से पहले इन तीन देशों से भारत आने वाले अल्पसंख्यकों को पासपोर्ट दिखाने की जरूरत नहीं है। वो बिना पासपोर्ट के भी देश में रह सकते हैं।

यह आदेश पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से आए 6 अल्पसंख्यकों - हिंदू, ईसाई, सिख, बौद्ध, जैन और पारसी समुदाय के लोगों पर लागू होगा। अगर यह लोग 21 दिसंबर 2024 से पहले भारत में आए हैं, तो ये बिना पासपोर्ट के यहां रह सके हैं।

गृह मंत्रालय ने सोमवार को Immigration and Foreigners (Exemption) Order 2025 जारी किया है। इस आदेश के अनुसार, 1959 से 30 मई 2003 तक नेपाल, भूटान और तिब्बत से भारत आए लोगों को विदेशी रजिस्ट्रेशन ऑफिसर के पास अपना नाम रजिस्टर करवाना होगा, जिसके बाद वो भी बिना पासपोर्ट के भारत में रह सकते हैं। हालांकि, चीन, मकाउ, हांगकांग और पाकिस्तान से भारत आने वाले नेपाली और भूटानी नागरिकों पर यह नियम लागू नहीं होंगे।

विधि मुखर्जी ने CBI की चार्जशीट पर उठाए सवाल, अदालत में अचानक बदला बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। शीना बोरा मर्डर केस एक बार फिर सूर्खियों में है। इस केस की मुख्य गवाह विधि मुखर्जी ने जांच एजेंसियों को दिए बयान से पल्ला झाड़ लिया है। उनका कहना है कि सीबीआई ने फर्जी तरीके से उनसे हस्ताक्षर करवाकर आरोपपत्र दाखिल किया है। उनकी मां इद्राणी मुखर्जी पूरी तरह बेगुनाह है।

विधि मुखर्जी ने अदालत में स्पेशल सीबीआई जज जेपी दारेकर के सामने गवाही देते हुए कहा कि सीबीआई की चार्जशीट मनगढ़ंत है और इसके जरिए किसी को फंसाने की साजिश रची जा रही है।

विधि ने अदालत में क्या कहा- 2012 में शीना बोरा की हत्या का इल्जाम इंद्राणी पर लगा था। इंद्राणी की बेटी विधि का कहना है कि इंद्राणी और शीना बहनों की तरह थीं। यह काम राहुल और राबिन ने किया है। शीना बोरा की मौत के बाद मेरी मां इंद्राणी को फंसाया गया और फिर उनके करोड़ों के कीमती गहने और बैंक अकाउंट से 7 करोड़ रुपये गायब कर दिए गए।

अगर कोई व्यापार में बाधा डालता है..., टैरिफ वॉर के बीच जर्मनी ने ट्रेड डील पर दी भारत को खुशखबरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और जर्मनी के विदेश मंत्री योहान वाडेफुल की मुलाकात ने दोनों देशों के बीच रिश्तों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का रास्ता खोला है। दोनों नेताओं ने वैश्विक चुनौतियों पर भी गहरी चर्चा की और भारत-जर्मनी के बीच व्यापार को दोगुना करने का भरोसा जताया।

इस बैठक के दौरान जर्मन विदेश मंत्री ने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ के बीच एक मुक्त व्यापार समझौता आने वाले महीनों में हो सकता है। उन्होंने अमेरिकी की ओर इशारा करते हुए कहा, अगर दूसरे देश व्यापार में बाधाएं डालते हैं, तो हमें उन्हें कम करके जवाब देना चाहिए।

अर्थव्यवस्था और व्यापार में नया जोश- जयशंकर और वाडेफुल ने भारत-जर्मनी के बीच व्यापार को और मज़बूत करने पर ज़ोर दिया। पिछले साल दोनों देशों का द्विपक्षीय व्यापार करीब 50 बिलियन यूरो का था। वाडेफुल ने कहा कि जर्मनी इस व्यापार को दोगुना करने के लिए पूरी ताकत लगाएगा, और जयशंकर ने भी इस लक्ष्य के लिए भारत की प्रतिबद्धता दोहराई।

जयशंकर ने भरोसा दिलाया कि जर्मन कंपनियों को भारत में कारोबार करने में किसी भी दिक्कत का सामना नहीं करना पड़ेगा। भारत सरकार उनकी हर चिंता का खास ख्याल रखेगी। इसके अलावा, जर्मनी ने भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते को पूरा समर्थन देने का वादा किया, जो दोनों देशों के लिए एक बड़ा कदम हो सकता है।

छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में बांध टूटने से आई बाढ़ में सास-बहू समेत 4 की मौत; 3 लापता

नई दिल्ली (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में एक बांध टूटने से हाहाकार मच गया। जलाशय में भरा पानी रास्ते में आने वाले 2 घरों को अपने साथ बहा ले गया। इस घटना में 7 लोगों की मौत की आशंका जताई जा रही है, जिनमें 6 लोग एक ही परिवार के हैं। पुलिस ने देर रात तीन लाशें बरामद कर ली। मृतकों में सास-बहू भी शामिल हैं। वहीं, दो बच्चों समेत 1 ग्रामीण अभी तक लापता है। इस घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है।

बांध टूटने की सूचना मिलते ही पुलिस और बचाव दल समेत कई अधिकारी मौके पर पहुंचे। गांव के लोग भी लापता लोगों की तलाश कर रहे हैं। यह हादसा बलरामपुर के विश्रामनगर स्थित धनेशपुर गांव का है। 1980-81 में यहां जलाशय बनाने के लिए बांध का निर्माण किया गया था।

बलरामपुर में स्थित यह बांध दोनों तरफ से पहाड़ से घिरा हुआ है। लगभग 10-12 साल पहले यह जलाशय लीक होने लगा था, जिसकी मरम्मत करवाई गई थी। शुरुआती जांच में बांध टूटने की वजह मूसलाधार बारिश बताई जा रही है। छत्तीसगढ़ के कई इलाकों में लगातार बारिश के कारण जलाशय पानी से लबालब भर गया था। इससे पानी बाहर निकल रहा था और मंगलवार की देर रात बांध अचानक टूट गया। बांध टूटने के बाद जलाशय का पानी सैलाब बनकर निकला और आसपास मौजूद 2 घरों को अपने साथ बहा ले गया।

दिल्ली से कोलकाता जा रही इंडिगो की फ्लाइट में हंगामा, क्रू का आरोप- पैसेंजर ने लगाया हर हर महादेव का नारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली से कोलकाता जा रही इंडिगो की फ्लाइट में एक क्रू मेंबर और पैसेंजर के बीच लड़ाई हो गई। मामला इतना बढ़ा कि फ्लाइट की एअर होस्टेस ने पैसेंजर के खिलाफ शिकायत दर्ज कर दी। पैसेंजर पर आरोप है कि उड़ान के दौरान उसने शराब जैसी किसी चीज का सेवन किया और धार्मिक नारे लगाए, जिससे अन्य पैसेंजरों की मुश्किलें बढ़ गईं। दिल्ली से कोलकाता जाने वाला इंडिगो का विमान ऑपरेशनल कारणों से 3 घंटे तक दिल्ली एअरपोर्ट की पार्किंग में खड़ा रहा। क्रू मेंबर का आरोप है कि विमान के उड़ान भरने के बाद एक यात्री ने फ्लाइट में हंगामा मचा दिया।

पीएम मोदी 13 सितंबर को जा सकते हैं मणिपुर, राज्य में जातीय हिंसा भड़कने के बाद यह पहला दौरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 13 सितंबर को मिजोरम जा रहे हैं। वह मिजोरम में नए बैराबी-सैरंग रेलवे का उद्घाटन करने वाले हैं। मिजोरम से वह मणिपुर जा सकते हैं।

मणिपुर दौरे के बारे में आधिकारिक जानकारी नहीं- मणिपुर दौरे के बारे में आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन मिजोरम सरकार के कई अधिकारियों ने बताया कि उन्हें जानकारी मिली है कि आइजोल से पीएम मोदी मणिपुर जा सकते हैं।

अगर पीएम मोदी मिजोरम से मणिपुर जाते हैं तो यह 2023 में राज्य में जातीय हिंसा भड़कने के बाद पीएम का मणिपुर का पहला दौरा होगा। मणिपुर में मई 2023 से मैतेयी और कुकी समुदायों के बीच जातीय हिंसा में कम से कम 260 लोग मारे गए और हजारों बेघर हो गए हैं।

राज्य में प्रस्तावित वीवीआइपी दौरा- इस बीच मणिपुर के मुख्य सचिव पुणीत कुमार गोयल ने मंगलवार को अधिकारियों से कहा कि राज्य में प्रस्तावित वीवीआइपी दौरे की व्यवस्थाओं की समीक्षा के लिए बैठक की। उन्होंने बताया कि वीवीआइपी की प्रस्तावित यात्रा के दौरान नवनिर्मित सचिवालय और अन्य पूर्ण हो चुकी परियोजनाओं का उद्घाटन किया जा सकता है।

जारी किए गए हैं आदेश-हालांकि उन्होंने वीवीआइपी का नाम नहीं बताया है। मणिपुर के डीजीपी ने 30 अगस्त को सभी एसपी और सीओ (एमआर/आइआर बी बटालियन) को जारी आदेश में कहा कि, इस अवधि के दौरान ड्यूटी की अनिवार्यता को देखते हुए अत्यधिक आपात स्थिति को छोड़कर, सात से 14 सितंबर तक किसी भी अधिकारी/कर्मचारी को कोई छुट्टी नहीं दी जाए।

ईयरफोन और पुतिन... शहबाज शरीफ ने फिर करवा ली बेइज्जती, रूसी राष्ट्रपति भी नहीं रोक पाए हंसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने एक बार फिर अपनी बेइज्जती करा ली। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सामने उन्होंने तीन पहले वाली गलती फिर से दोहराई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है।

बीजिंग में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक के दौरान शहबाज शरीफ ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। जब वे बातचीत के लिए बैठे तो उन्हें अपने ईयरफोन के साथ एक बार फिर जूझते हुए देखा गया, जबकि रूसी नेता उन्हें हाथ के इशारे से ईयरफोन लगाने का तरीका सिखा रहे थे।

पुतिन भी नहीं रोक पाए अपनी हंसी- वायरल वीडियो में दिख रहा है कि शरीफ का हेडसेट कानों में लगाने की कोशिश करने के बावजूद फिसलकर गिर गया। पुतिन कुछ सेकंड तक संघर्ष करते हुए शरीफ को देखते रहे और हंसने लगे। वैश्विक मंच पर शर्मिंदगी से बचने की कोशिश में, रूसी नेता ने पाकिस्तानी राष्ट्रपति को अपना ईयरफोन उठाकर दिखाया कि उसे कैसे लगाया जाता है।

सोशल मीडिया पर बना मजाक- सोशल मीडिया पर एक यूजर ने ईयरफोन में गड़बड़ी का वीडियो साझा करते हुए लिखा, बीजिंग में शहबाज शरीफ का हेडफोन फिसलने से पुतिन फिर से हंस पड़े।

यह पहली बार नहीं है जब शरीफ को ईयरफोन से जूझना पड़ा हो। 2020 में उज्बेकिस्तान में हुए शिखर सम्मेलन के दौरान भी पुतिन के सामने इसी तरह की परेशानी का सामना करना पड़ा था। बातचीत शुरू होने ही वाली थी कि उनके ईयरफोन बार-बार फिसल रहे थे और उनके अधिकारियों की ओर से उन्हें ठीक करने की कोशिश करने के बावजूद यह सिलसिला जारी रहा। इस गड़बड़ी का वीडियो वायरल हो गया था और विदेशी टिप्पणीकारों के साथ-साथ पाकिस्तान की प्रतिद्वंद्वी पार्टियों ने भी इसकी आलोचना की थी। कॉमेडियन जिमी फॉलन ने मजाक में कहा था, आश्चर्य की बात यह है कि शहबाज शरीफ दुनिया की 22 करोड़ आबादी के प्रधानमंत्री हैं।

क्या उत्तर कोरिया को मिल गया नया शासक? कौन है तानाशाह किम जोंग उन की बेटी

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन अपनी बेटी किम जू ऐ के साथ बुधवार को चीन की अब तक की सबसे बड़ी सैन्य परेड में शामिल होने के लिए बुलेटप्रूफ ट्रेन से बीजिंग पहुंचे। माना जा रहा है कि यह उनकी बेटी की उत्तर कोरियाई नेता के साथ पहली विदेश यात्रा है। उनकी मौजूदगी ने उत्तर कोरियाई नेतृत्व के भविष्य को लेकर अटकलों को हवा दे दी है।

किम जू ऐ नवंबर 2022 में एक मिसाइल परीक्षण प्रक्षेपण के दौरान अपने पिता के साथ सार्वजनिक रूप से दिखी थीं। तब से, वह अपने पिता के साथ सैन्य परेड और राजनयिक कार्यक्रमों में कई सार्वजनिक कार्यक्रमों में शामिल हो चुकी हैं लेकिन उत्तर कोरिया ने उनके बारे में कोई जानकारी नहीं दी है।

कौन हैं किम जू ऐ- मीडिया रिपोर्टों में यह भी अनुमान लगाया गया है कि किम जू ऐ उत्तर कोरिया की सबसे संभावित उत्तराधिकारी हैं। बीबीसी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, वह किम जोंग उन और उनकी पत्नी री सोल-जू के तीन बच्चों में से दूसरी हैं।

हालांकि, इसकी पुष्टि नहीं हुई है क्योंकि उत्तर कोरिया के कड़े सरकारी मीडिया नियंत्रण के कारण दुनिया को किम के परिवार के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है।

किम जू ऐ की उम्र 12 या 13 साल है। दक्षिण कोरिया की राष्ट्रीय खुफिया सेवा (एनआईएस) ने 2023 में कहा था कि उसकी उम्र लगभग 10 साल होगी, लेकिन कुछ रिपोर्टों में यह भी दावा किया गया है कि उसका जन्म 2012 में हुआ था।

दरअसल, पूर्व अमेरिकी बास्केटबॉल खिलाड़ी डेनिस रोडमैन ने ही किम की पहचान जू ऐ के रूप में की थी। रोडमैन ने 2013 में किम के परिवार के साथ समय बिताया था और यहां तक कि उन्होंने किम को गोद में भी लिया था, जब वह एक बच्ची थीं।

उन्होंने किम को एक शानदार इंसान कहा था और बताया था कि किम अपनी बच्ची के लिए एक अच्छे पिता भी हैं।

नोबेल की चाहत में भारत से रिश्ते बिगाड़ रहे, अमेरिकी सांसद ने ट्रंप को दिखाया आईना

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के मशहूर सांसद और भारतीय मूल के नेता आरओ खन्ना ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंपपर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि ट्रंप अपनी नोबेल शांति पुरस्कार की चाहत में भारत-अमेरिका के रिश्तों को बर्बाद कर रहे हैं।

यूएस-इंडिया कॉकस के सह-अध्यक्ष खन्ना ने ट्रंप पर आरोप लगाया कि वह भारत पर 50त्न की भारी-भरकम टैरिफ थोपकर 30 साल की मेहनत को चौपट कर रहे हैं। यह टैरिफ न सिर्फ भारत के चमड़ा और कपड़ा निर्यात को नुकसान पहुंचा रहा है, बल्कि अमेरिकी कारोबार और भारत में निर्यात को भी चोट पहुंचा रहा है।

आरओ खन्ना ने चेतावनी दी कि ट्रंप की इन हरकतों से भारत को चीन और रूस के करीब जाने का मौका मिल रहा है। ये कदम अमेरिका के लिए बड़ा रणनीतिक नुकसान हो सकता है।

उन्होंने कहा कि ट्रंपका यह कदम सिर्फ इसलिए है क्योंकि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामांकित करने से इनकार कर दिया, जबकि पाकिस्तान ने ऐसा किया। आरओ खन्ना ने अपने वीडियो संदेश में साफ कहा, ट्रंपने भारत पर 50% टैरिफ लगाया, जो चीन पर लगाए गए टैरिफ से भी ज्यादा है।

न्यूक्लियर वेपन, समुद्री ड्रोन और हाइपरसोनिक मिसाइल..., तस्वीरों में देखें चीन की पावर परेड

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन ने बुधवार को अपनी सैन्य ताकत का दुनिया के सामने प्रदर्शन किया। मिसाइलों, लड़ाकू विमानों और नए हथियारों की शानदार परेड ने पूरी दुनिया का ध्यान बीजिंग की ओर खींच लिया। यह परेड द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति की 80वीं वर्षगांठ पर हुई।

राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने इस परेड की अगुवाई की। करीब दो दर्जन विदेशी नेता भी इस मौके पर मौजूद थे। इस परेड में कई नए हथियार पहली बार दुनिया के सामने आए। इनमें ड्रोन, मिसाइलें और विमान शामिल थे। परेड में कई ऐसे हथियार दिखे, जो पहली बार सार्वजनिक किए गए। इनमें जमीन, समुद्र और हवा में इस्तेमाल होने वाली मिसाइलें, ड्रोन और सटीक निशाना लगाने वाले हथियार शामिल थे। आसमान में लड़ाकू विमानों और हेलीकॉप्टरों ने शानदार उड़ान भरी।

खास तौर पर JL-1 न्यूक्लियर मिसाइल और DF-5C इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल ने सबका ध्यान खींचा। DF-5C की रेंज 13,000 किलोमीटर से ज़्यादा है और यह 10 स्वतंत्र निशाने वाली मिसाइलें ले जा सकती है।

हंट्सविले को क्यों कहा जाता है रॉकेट सिटी? जहां ट्रंप ने किया स्पेस कमांड बनाने का एलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बाइडेन प्रशासन के फैसले को पलटते हुए अमेरिका का स्पेस कमांड अलबामा में स्थापित करने का आदेश दिया है। अमेरिका के अलबामा और कोलोराडो के बीच लंबे समय से स्पेस कमांड की लड़ाई चल रही है, जिसपर ट्रंप ने ब्रेक लगा दिया है।

जो बाइडेन के कार्यकाल में कोलोराडो में अस्थायी स्पेस कमांड बनाया गया था, जिसे ट्रंप ने अब अलबामा के हंट्सविले ले जाने का आदेश दिया है।

ट्रंप ने किया एलान- हंट्सविले में स्पेस कमांड बनाने का एलान करते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, अमेरिकी स्पेस कमांड का मुख्यालय अब अलबामा की खूबसूरत शहर हंट्सविले में होगा। अब इसे रॉकेट सिटी कहा जाएगा। अलबामा ने लंबे समय से इसके लिए संघर्ष किया है।

अमेरिकी स्पेस कमांड अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन को ऑपरेट करने के लिए बनाया गया है। सैटेलाइट-बेस्ड नेविगेशन, सेना के बीच संचार स्थापित करना और मिसाइल हमले का अलर्ट जारी करना अमेरिकी स्पेस कमांड की अहम जिम्मेदारी होती है।

अमेरिकी स्पेस कमांड ने भी ट्रंप के आदेश पर सहमति दर्ज की है। स्पेस कमांड ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा- अमेरिकी स्पेस कमांड से अर्थव्यस्था बढ़ने की उम्मीद है। यही वजह है कि, कोलोराडो और अलबामा दोनों कई सालों से इसके पीछे लगे हैं। हंट्सविले के मेयर टॉमी बैटल के अनुसार, स्पेस कमांड बनने के बाद अगले 5 साल में 1,400 नौकरियां मिलने की उम्मीद है।

मैं बहुत एक्टिव था..., बीमारी की अफवाह पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले कुछ समय से सोशल मीडिया पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बीमारी पर बहस छिड़ी हुई है। कई लोग कयास लगा रहे थे कि ट्रंप की तबीयत खराब है। हालांकि, ट्रंप ने मीडिया के सामने आकर इन सभी कयासों पर पूर्ण विराम लगा दिया है।

ट्रंप ने अपनी बीमारी की खबरों को अफवाह बताया है। ट्रंप का कहना है कि वो बिल्कुल ठीक हैं और लेबर डे पर वीकेंड मनाने के लिए वो वर्जीनिया गोल्फ कोर्स गए थे।

ट्रंप ने दिया जवाब- डोनाल्ड ट्रंप की गैरमौजूदगी के बाद उनकी सेहत पर सवाल उठने लगे थे। वहीं, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के बयान ने इन अफवाहों को और भी ज्यादा हवा दे दी थी।

यह फेक न्यूज थी। मैं इस वीकेंड पर बहुत ज्यादा एक्टिव था। 79 वर्षीय डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति पद पर बैठने वाले सबसे अधिक उम्र के शख्स हैं। ट्रंप पिछले कई दिनों से मीडिया के सामने नहीं आए और न ही उनकी तरफ से कोई बयान आया था। गुरुवार को अमेरिकी अखबार में उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का एक इंटरव्यू छपा। इसमें जब वेंस से पूछा गया, क्या वो कमांडर इन चीफ बनेंगे? इसपर जेडी वेंस ने कहा, ट्रंप यह जिम्मेदारी बेहतर तरीके से संभाल सकते हैं। हां अगर राष्ट्रपति को कुछ हुआ तो मैं बन सकता हूं।

लश्कर का संगठन TRF कैसे जुटाता है आतंकी गतिविधियों के लिए पैसा? NIA जांच में खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान की आतंकी चाल एक बार फिर दुनिया के सामने बेपर्दा हो गई है। अमेरिका ने हाल ही में द रेसिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) को विदेशी आतंकी संगठन और विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकी इकाई घोषित किया है। अब सामने आया है कि ये संगठन विदेशी फंडिंग पर चलती है।

यह कदम पाकिस्तान के लिए करारा झटका है, क्योंकि टीआरएफ कोई और नहीं, बल्कि लश्कर-ए-तैयबा का एक मुखौटा है। भारत की राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने टीआरएफ की गतिविधियों की जांच में ऐसी सनसनीखेज जानकारियां उजागर की हैं। ये प्रूफ पाकिस्तान को फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) के शिकंजे में और कस सकती हैं।

इससे साफ होता है कि कैसे टीआरएफ के जरिए पाकिस्तान कश्मीर में आतंक को स्थानीय रंग देने की कोशिश कर रहा था, लेकिन अब उसका यह खेल खत्म होने की कगार पर है। टीआरएफ को 2019 में बनाया गया था, ताकि कमजोर पड़ चुके हिजबुल मुजाहिदीन की जगह ली जाए और लश्कर-ए-तैयबा को छिपाने का एक नया चेहरा मिले।

पाकिस्तान की मंशा थी कि कश्मीर में होने वाले आतंकी हमलों को स्थानीय बगावत का नाम देकर दुनिया की आंखों में धूल झोंकी जाए। लेकिन एनआईए की जांच ने साबित कर दिया कि टीआरएफ न तो स्थानीय है और न ही स्वतंत्र। यह पूरी तरह से पाकिस्तान और लश्कर-ए-तैयबा के इशारों पर नाचने वाली कठपुतली है।

जमानत पर छूटे विदेशियों के लिए नई नीति... सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से कहा- इसपर विचार करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। धोखाधड़ी के एक मामले में आरोपी एक विदेशी नागरिक के जमानत की अवधि पार कर फरार होने की जानकारी मिलने के बाद, सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐसी नीति की आवश्यकता पर जोर दिया है जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि देश में अपराध करने वाले विदेशी नागरिक न्याय से भाग न सकें।

शीर्ष अदालत ने पिछले साल 4 दिसंबर को झारखंड हाईकोर्ट के मई 2022 के उस आदेश को रद्द कर दिया था जिसमें आरोपी एलेक्स डेविड को जमानत दी गई थी।

नाइजीरिया और भारत के बीच कोई द्विपक्षीय संधि- जब 26 अगस्त को जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ के सामने यह मामला सुनवाई के लिए आया, तो पीठ ने कहा कि नाइजीरियाई नागरिक को देश में आपराधिक कार्यवाही का सामना करने के लिए प्रत्यर्पित करने के संबंध में नाइजीरिया और भारत के बीच कोई द्विपक्षीय संधि नहीं है।

कोर्ट ने आगे की कार्रवाई के लिए विकल्प छोड़ा- पीठ ने कहा, विशेष अनुमति याचिका का निपटारा किया जाता है, जिसमें जमानत रद्द करने के आदेश की पुष्टि की गई है, लेकिन केंद्र सरकार को एक उपयुक्त नीति बनाने या आवश्यक और उचित समझी जाने वाली आगे की कार्रवाई शुरू करने का विकल्प खुला छोड़ दिया गया है ताकि विदेशी नागरिक भारत में अपराध करने के बाद न्याय की राह से न भागें। डेविड पर धोखाधड़ी और आईटी एक्ट सहित कई अपराधों के लिए मामला दर्ज किया गया था।

हाई कोर्ट द्वारा जमानत मिलने के बाद, राज्य ने इस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। लेकिन शीर्ष अदालत को बताया गया कि डेविड जमानत की अवधि तोड़कर फरार हो गया था।

BJP नेता राकेश सिंह गिरफ्तार, PM की मां को अपशब्द कहे जाने के बाद कांग्रेस दफ्तर में की थी तोड़फोड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के दरभंगा में कांग्रेस-आरजेडी के मंच से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दिवंगत मां के बारे में अपशब्द कहे जाने की घटना के खिलाफ कोलकाता में कांग्रेस के प्रदेश दफ्तर में हुई तोड़फोड़ के मामले में फरार भाजपा नेता राकेश सिंह को कोलकाता पुलिस ने बुधवार तड़के गिरफ्तार कर लिया।

राकेश सिंह पिछले पांच दिनों से फरार चल रहे थे, जब उनके खिलाफ बंगाल प्रदेश कांग्रेस कार्यालय के गेट पर तोड़फोड़ करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया था। एक गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने कोलकाता के टेंगरा इलाके में रात करीब दो बजे एक निजी आवास पर छापा मारकर उन्हें गिरफ्तार किया, जहां वह छिपे हुए थे। पिछले पांच दिनों से पुलिस उनकी तलाश में लगातार छापेमारी कर रही थी।

तोड़फोड़ की घटना में मामला दर्ज होने के बाद से राकेश सिंह ने अपने इंटरनेट मीडिया हैंडल पर कोलकाता पुलिस के खिलाफ कई वीडियो संदेश जारी किए थे। इससे पहले इस मामले में उनके बेटे सुवम सिंह को पुलिस ने उन्हें भागने में मदद करने के आरोप में पहले ही गिरफ्तार किया था।

17 साल बाद जेल से रिहा हुआ अंडरवर्ल्ड डॉन अरुण गवली

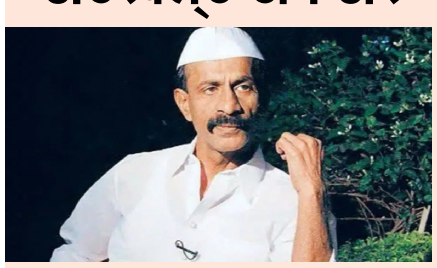

नई दिल्ली (एजेंसी)। गैंगस्टर से राजनेता बने अरुण गवली 17 साल बाद सलाखों से रिहा हो गया है। अरुण 2007 के एक मर्डर केस में जेल की सजा काट रहा था। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने उसे जमानत दे दी, जिसके बाद आज वो जेल से बाहर आ गया है।

76 वर्षीय अंडरवर्ल्ड डॉन अरुण गवली पर शिवसेना के कॉर्पोरेटर कमलाकर जमसांडेकर की हत्या का आरोप था। अदालत ने उसे दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी। गवली पिछले 17 सालों से जेल में था और उनकी अपील अदालत में पेंडिंग है।

परिवार और समर्थकों ने किया स्वागत- नागपुर सेंट्रल जेल के अधिकारी के अनुसार, जेल में सभी कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद गवली को दोपहर लगभग 12:30 बजे जेल से रिहा कर दिया गया। गवली के परिवार समेत कई समर्थकों ने उसका भव्य स्वागत किया।

सुप्रीम कोर्ट से मिली जमानत- अरुण गवली को ट्रायल कोर्ट और बॉम्बे हाईकोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई थी। 9 दिसंबर 2019 को गवली ने इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी, जिसपर सुनाई के दौरान सर्वोच्च न्यायालय ने गवली की जमानत पर मुहर लगा दी।

महिला दोस्त को तंग किया तो शख्स को उतारा मौत के घाट, नासिक में मर्डर के आरोपी तीन नाबालिग गिरफ्तार

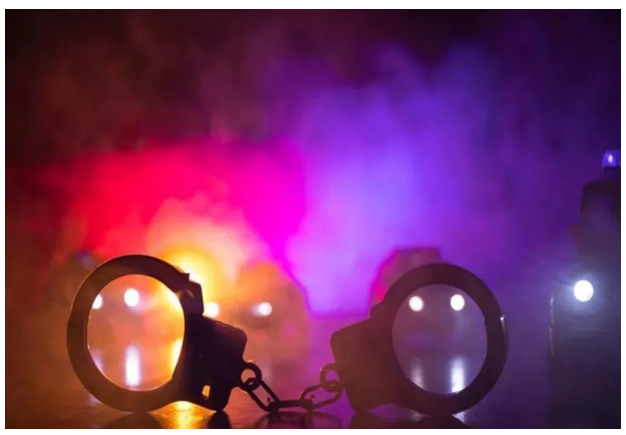

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नासिक जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस ने 3 नाबालिग युवकों को हिरासत में लिया है। तीनों पर एक व्यक्ति के मर्डर का आरोप है। इस घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है।

पुलिस के अनुसार, तीनों आरोपियों का कहना है कि एक शख्स उनकी महिला मित्र को परेशान कर रहा था, इसलिए उन्होंने उस शख्स को मौत के घाट उतार दिया।

दिनदहाड़े दिया वारदात को अंजाम- मृतक की उम्र 45-50 वर्ष बताई जा रही है। तीनों युवकों ने मंगलवार दोपहर लगभग 1:45 बजे नासिक के ठक्कर बाजार में एक होटल के सामने इस वारदात को अंजाम दिया। तीनों ने शख्स पर बुरी तरह से हमला कर दिया। हमले से लहूलुहान होने के बाद शख्स ने दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही लोकल क्राइम ब्रांच मौके पर पहुंची। पुलिस को देखते ही तीनों आरोपी मेला बस स्टैंड की तरफ भाग निकले। पुलिस की टीम ने बस अड्डे पर पहुंचकर तीनों को हिरासत में ले लिया। तीनों आरोपियों की उम्र 15-16 साल है।

कैसे की हत्या- पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने अपना गुनाह कबूल कर लिया। उन्होंने पुलिस को बताया कि मृतक शख्स उनकी महिला मित्र को तंग कर रहा था। इसलिए उन्होंने सीमेंट पेवर ब्लॉक से मृतक के सिर पर वार किया और गंभीर चोट के कारण उसकी मौत हो गई। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता के तहत हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

एक ही परिसर में आंगनवाड़ी और प्राथमिक विद्यालय, सरकार ने जारी किए दिशानिर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र ने बुधवार को प्राथमिक विद्यालयों के साथ आंगनवाड़ी केंद्रों (एडब्ल्यूसी) को स्थापित करने के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं। इनमें प्रारंभिक बचपन देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) को मजबूत करने के लिए शिक्षकों और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की ओर से संयुक्त योजना, पाठ्यक्रम संरेखण, माता-पिता की भागीदारी और बाल-अनुकूल शिक्षण स्थानों के प्रावधान किए गए हैं।

दिशा-निर्देशों का अनावरण शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान और महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने संयुक्त रूप से किया। अधिकारियों ने बताया कि भारत के 14 लाख आंगनवाड़ी केन्द्रों में से लगभग 2.9 लाख पहले से ही स्कूल परिसर में स्थित हैं, लेकिन समन्वय सुनिश्चित करने के लिए कोई मानक तंत्र नहीं है।

बताए गए दो मॉडल

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ये दिशानिर्देश एक उचित प्रणाली बनाने के लिए तैयार किए गए हैं ताकि राज्य और केंद्र शासित प्रदेश एक समान कार्यप्रणाली अपना सकें।

इस ढांचे में दो मॉडल निर्दिष्ट किए गए हैं- पर्याप्त स्थान और सुविधाओं वाले स्कूलों के अंदर आंगनवाड़ी केंद्रों का भौतिक सह-स्थान या जहां प्रत्यक्ष सह-स्थान संभव नहीं है, वहां आंगनवाड़ी केंद्रों का आस-पास के स्कूलों से मानचित्रण।

क्या-क्या रखे गए हैं प्रावधान- इसमें छोटे बच्चों के लिए अलग प्रवेश और निकास द्वार, मध्याह्न भोजन के लिए समर्पित रसोईघर, इनडोर और आउटडोर खेल क्षेत्र और बच्चों के अनुकूल शौचालय जैसे मानदंड भी निर्धारित किए गए हैं। दिशानिर्देशों में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और स्कूल शिक्षकों के बीच मासिक समन्वय बैठकें, ईसीसीई दिवस, प्रवेशोत्सव और अभिभावक-शिक्षक बैठकों जैसे संयुक्त आयोजन और एकीकृत गतिविधि कैलेंडर अनिवार्य किए गए हैं।

महाराष्ट्र में इन वाहन चालकों के लिए अच्छी खबर, तीन प्रमुख हाईवे पर नहीं देना होगा टोल

नई दिल्ली (एजेंसी)। इलेक्ट्रिक व्हीकल का इस्तेमाल करने वालों के लिए महाराष्ट्र सरकार ने बड़ी खुशखबरी दी है। फडणवीस सरकार ने एक नोटिफिकेशन जारी करके कहा है कि 21 अगस्त से इलेक्ट्रिक वाहनों को अटल सेतु, मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे और समृद्धि राजमार्ग पर टोल टैक्स से छूट दे दी गई है।

परिवहन मंत्री प्रताप सरनाइक द्वारा घोषित यह कदम, स्वच्छ परिवहन को प्रोत्साहित करने और राज्य भर में इलेक्ट्रिक वाहन मालिकों का समर्थन करने के महाराष्ट्र के प्रयास का हिस्सा है।

परिवहन मंत्री सरनाइक ने कहा कि मोटर वाहन कर अधिनियम 1958 के तहत महाराष्ट्र सरकार द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, कुछ मार्गों पर यात्रा करते समय सभी प्रकार के इलेक्ट्रिक वाहनों को टोल प्लाजा से छूट दी गई है।

इन इलेक्ट्रिक वाहनों को मिलेगी छूट- इस फैसले में M2, M3 और M6 कैटेगिरी के इलेक्ट्रिक चार पहिया वाहन, साथ ही स्टेट ट्रांसपोर्ट यूनिट और निजी कंपनियों द्वारा संचालित इलेक्ट्रिक बसें शामिल हैं। यह छूट 22 अगस्त, 2025 की मध्यरात्रि से प्रभावी हो गई है, जिससे प्रमुख राज्य राजमार्गों पर इलेक्ट्रिक वाहन मालिकों के लिए सुगम यात्रा सुनिश्चित होगी। राज्य सरकार का मानना है कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्रियों एकनाथ शिंदे और अजित पवार के मार्गदर्शन में यह पहल इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग को महत्वपूर्ण बढ़ावा देगी, साथ ही वाहन मालिकों के लिए सड़क यात्रा को और अधिक किफायती बनाएगी।

सरनाइक ने कहा, सरकार का यह निर्णय राज्य में पर्यावरण-अनुकूल परिवहन और स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण होगा।

इन योजनाओं को भी मिली मंजूरी- टोल माफी की घोषणा के साथ, राज्य मंत्रिमंडल ने कई प्रमुख शहरी परिवहन परियोजनाओं को भी मंजूरी दी।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

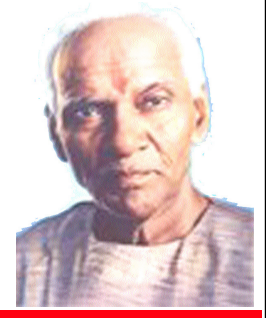

विक्रम संवत 2079 शुक्ल द्वादशी

संपादकीय

चीन में बदलता हुआ अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य देखने को मिला

शंघाई सहयोग संगठन 31 अगस्त से 1 सितंबर 2025 तियानजिन चीन में बदलता हुआ अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य देखने को मिला। 2025 की विश्व राजनीति उस मोड़ पर खड़ी है, जहाँ अमेरिकाकी पारंपरिक प्रभुत्वशाली स्थिति को गंभीर चुनौतियाँ मिल रही हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कीअमेरिका फर्स्टनीति, जिसमें टैरिफ औरएकतरफा आर्थिक प्रतिबंध प्रमुख हथियार हैं, ने न केवल चीन और रूस बल्कि भारत जैसे साझेदार देशों के साथ भी तनाव पैदा कर दिया है।दूसरी ओर, यूक्रेन युद्ध, ताइवान विवाद, पश्चिम एशिया में अस्थिरता और ऊर्जा संकट जैसी घटनाओं ने दुनियाँ को अस्थिर बना रखा है। ऐसे समय में चीन के तियानजिन शहर में आयोजित 25वें शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन ने यह संकेत दिया कि एशिया और यूरेशिया के देश अब अपने हितों की रक्षा के लिए एकजुट हो रहे हैं। यह सम्मेलन केवल एक औपचारिक मुलाकात नहींथा,बल्किबहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की ओर कदम बढ़ाने का मंच था। भारत, रूस और चीन की सक्रिय भागीदारी और आपसी समीकरणों ने यह साबित किया कि पश्चिमी दबाव अब उतना प्रभावी नहीं रह गया है जितना शीत युद्ध के बाद था।एससीओ के राष्ट्राध्यक्षों का पच्चीसवां शिखर सम्मेलन संयुक्त घोषणा पत्र के साथ समाप्त हो गया,31 अगस्त से लेकर 1 सितंबर तकचली इस बैठक में सदस्य देशों ने आतंकवाद, ट्रंप की संरक्षणवादी नीति, रूस और यूक्रेन युद्ध, गाजा संकट एवं वैश्विक व्यवस्था पर पश्चिम के अधिपत्य के साथ कमजोर होती ग्लोबल गवर्नेंस पर अपनी चिंताएं साझा की. इन चुनौतियों से निपटने के लिए इन्होंने अपने घोषणा पत्र में भारत के द्वारा दिए गए मूल संकल्प एक पृथ्वी, एक परिवार एवं एक भविष्य पर जोड़ दिया।चूंकि एससीओ का मुख्य जोर बहुध्रुवीकृत व्यवस्था को मजबूत करते हुए तीसरी दुनिया के देशों के हितों की रक्षा करना है, इसलिए इस सम्मेलन में इन देशों की चिंताओं को रेखांकित करते हुए उसे दूर करने के प्रयास पर भी बल दिया गया।यह शिखर सम्मेलन भारत के लिए एक अवसर था, जहां एक ओर ट्रंप अपनी टैरिफ नीति से भारत की वैश्विक आकांक्षाओं को नियंत्रित करना चाह रहे हैं, तो दूसरी ओर पाकिस्तान अमेरिका के साथ शीतयुद्ध कालीन गठबंधन से भारत के शक्ति संतुलन को चुनौती देने के प्रयास में है, यह शिखर सम्मेलन वैश्विक राजनीति का निर्णायक मोड़-बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की ओर कदम बढ़ाने का मंचसाबित हुआ इसी संदर्भ में इस शिखर सम्मेलन को समझने की आवश्यकता है।

साथियों बात अगर हम भारतीय पीएम की कूटनीतिक क्रांति की करें तो,उनकी भूमिका इस सम्मेलन में बेहद अहम रही। भारतीय कूटनीति का यह नया चेहरा पश्चिम और एशिया दोनों को यह संदेश देने में सफल रहा कि भारत किसी का पिछलग्गू नहीं, बल्कि स्वतंत्र और संतुलनकारी शक्ति है।उन्होंने अपने भाषण में तीन प्रमुख बिंदु उठाए,आतंकवाद का उन्मूलन, संप्रभुता का सम्मान और वैश्विक आर्थिक संतुलन। उन्होंने कहा कि किसी भी देश की संप्रभुता का उल्लंघन वैश्विक अस्थिरता को जन्म देता है। यह सीधा संदेश रूस-यूक्रेन युद्ध और चीन- ताइवान विवाद दोनों से जुड़ा हुआ था।भारत की कूटनीति का यह स्वरूप अमेरिका के लिए भी चिंता का विषय है क्योंकि हाल ही में ट्रंप प्रशासन ने भारत की आईटी और फार्मास्यूटिकल कंपनियों पर नए टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। लेकिन तियानजिन सम्मेलन में मोदी का रवैया इस बात का प्रमाण था कि भारत आर्थिक दबावों केबावजूद स्वतंत्र विदेश नीति पर अडिग है। यही कारण है कि कई विश्लेषकों ने इसे मोदी की कूटनीतिक क्रांति नाम दिया।

साथियों बात अगर हम इस सम्मेलन के सानिध्य से मोदी- पुतिन-जिनपिंग की यारी, कूटनीति का त्रिशूल की करें तो,इस सम्मेलन की सबसे बड़ी घटना थी मोदी, पुतिन और जिनपिंग का एक साथ आना। इसे पश्चिमी मीडिया ने न्यू एशिन त्रिडेंट यानी कूटनीति का त्रिशूल कहा।

राणा उदयसिंह

राणा उदयसिंह मेवाड़ के राणा साँगा के पुत्र और राणा प्रताप के पिता थे। इनका जन्म इनके पिता के मरने के बाद हुआ था और तभी गुजरात के बहादुरशाह ने चित्तौड़ नष्ट कर दिया था। इनकी माता कर्णवती द्वारा हुमायूँ को राखीबंद भाई बनाने की बात इतिहास प्रसिद्ध है। मेवाड़ की ख्यातों में इनकी रक्षा की अनेक अलौकिक कहानियाँ कही गई हैं। उदयसिंह को कर्त्तव्यपरायण धाय पन्ना के साथ बलबीर से रक्षा के लिए जगह-जगह शरण लेनी पड़ी थी। उदयसिंह 1537 ई. में मेवाड़ के राणा हुए और कुछ ही दिनों के बाद अकबर ने मेवाड़ की राजधानी चित्तौड़ पर चढ़ाई की। हज़ारों मेवाड़ियों की मृत्यु के बाद जब लगा कि चित्तौड़गढ़ अब न बचेगा तब जयमल और पत्ता आदि वीरा के हाथ में उसे छोड़ उदयसिंह अरावली के घने जंगलों में चले गए। वहाँ उन्होंने नदी की बाढ़ रोक उदयसागर नामक सरोवर का निर्माण किया था। वहीं उदयसिंह ने अपनी नई राजधानी उदयपुर बसाई। चित्तौड़ के विध्वंस के चार वर्ष बाद उदयसिंह का देहांत हो गया।

इतिहास से

राणा संग्राम सिंह उपनाम राणा सांगा एक बहुत ही वीर शासक थे। परिस्थितियों ने उनकी मृत्यु के उपरांत उनके पुत्र कुंवर उदय सिंह को वीरमाता पन्ना धाय के संरक्षण में रहने के लिए विवश कर दिया। माता पन्नाधाय ने अपने पुत्र चंदन का बलिदान देकर 'मेवाड़ के अभिशाप' बने बनवीर से मेवाड़ के भविष्य के राणा उदय सिंह की प्राण रक्षा की और उसे सुरक्षित रूप में किले से निकालकर बाहर ले गयी। तब चित्तौड़ से काफ़ी दूर राणा उदय सिंह का पालन पोषण आशाशाह नाम के एक वैश्य के घर में हुआ। इतिहासकारों ने बताया है कि माता पन्नाधाय के बलिदान की देर सवेर जब चित्तौड़ के राजदरबार के सरदारों को पता चली तो उन्होंने बनवीर जैसे दुष्ट शासक से सत्ता छीनकर राणा सांगा के पुत्र राणा उदय सिंह को सौंपने की रणनीति बनानी आरंभ कर दी। उसी रणनीति के अंतर्गत राणा उदय सिंह को चित्तौड़ लाया गया। राणा के आगमन की सूचना जैसे ही बनवीर को मिली तो वह राजदरबार से निकलकर सदा के लिए भाग गया। इससे राणा उदय सिंह ने निष्कंटक राज्य करना आरंभ किया। यह घटना 1542 की है। यही वर्ष अकबर का जन्म का वर्ष भी है।

राणा उदय सिंह की रानियाँ और संतान

राणा उदय सिंह की मृत्यु 1572 में हुई थी। उस समय उनकी अवस्था 42 वर्ष थी और उनकी सात रानियों से उन्हें 24 लड़के थे। उनकी सबसे छोटी रानी का लड़का जगमल था, जिससे उन्हें असीम अनुराग था। मृत्यु के समय राणा उदय सिंह ने अपने इसी पुत्र को अपना उत्तराधिकारी नियुक्त कर दिया था। लेकिन राज्य दरबार के अधिकांश सरदार लोग यह नहीं चाहते थे कि राणा उदय सिंह का उत्तराधिकारी जगमल जैसा अयोग्य राजकुमार बने। राणा उदय सिंह के काल में पहली बार सन 1566 में चढ़ाई की थी, जिसमें वह असफल रहा। इसके बाद दूसरी चढ़ाई सन 1567 में की गयी थी और वह इस किले पर अधिकार करने में इस बार सफल भी हो गया था। इसलिए राणा उदय सिंह की मृत्यु के समय उनके उत्तराधिकारी की अनिवार्य योग्यता चित्तौड़गढ़ को वापस लेने और अकबर जैसे शासक से युद्ध करने की चुनौती को स्वीकार करना था। राणा उदय सिंह के पुत्र जगमल में ऐसी योग्यता नहीं थी इसलिए राज्य दरबारियों ने उसे अपना राजा मानने से इंकार कर दिया।

अकबर से मुक़ाबला

1567 में जब चित्तौड़गढ़ को लेकर अकबर ने इस किले का दूसरी बार घेराव किया तो यहां राणा उदय सिंह की सूझबूझ काम आयी। अकबर की पहली चढ़ाई को राणा ने असफल कर दिया था। पर जब दूसरी बार चढ़ाई की गयी तो लगभग छह माह के इस घेरे में किले के भीतर के कुओं तक में पानी समाप्त होने लगा। किले के भीतर के लोगों की और सेना की स्थिति बड़ी ही दयनीय होने लगी। तब किले के रक्षकदल सेना के उच्च पदाधिकारियों और राज्य दरबारियों ने मिलकर राणा उदय सिंह से निवेदन किया कि राणा संग्राम सिंह के उत्तराधिकारी के रूप में आप ही हमारे पास हैं, इसलिए आपकी प्राण रक्षा इस समय आवश्यक है। अतः आप को किले से सुरक्षित निकालकर हम लोग शत्रु सेना पर अंतिम बलिदान के लिए निकल पड़ें। तब राणा उदय सिंह ने सारे राजकोष को सावधानी से निकाला और उसे साथ लेकर पीछे से अपने कुछ विश्वास आरक्षकों के साथ किले को छोड़कर निकल गये। अगले दिन अकबर की सेना के साथ भयंकर युद्ध करते हुए वीर राजपूतों ने अपना अंतिम बलिदान दिया। जब अनेकों वीरों की छाती पर पैर रखता हुआ अकबर किले में घुसा तो उसे शीघ्र ही पता चल गया कि वह युद्ध तो जीत गया है, लेकिन कूटनीति में हार गया है, किला उसका हो गया है परंतु किले का कोष राणा उदय सिंह लेकर चंपत हो गये हैं। अकबर झुंझलाकर रह गया। राणा उदय सिंह ने जिस प्रकार किले के बीजक को बाहर निकालने में सफलता प्राप्त की वह उनकी सूझबूझ और बहादुरी का ही प्रमाण है।

महाराणा प्रताप बने मेवाड़ाधिपति

फलस्वरूप राणा उदय सिंह की अंतिम क्रिया करने के पश्चात् राज्य दरबारियों ने राणा जगमल को राजगद्दी से उतारकर महाराणा प्रताप को उसके स्थान पर बैठा दिया। इस प्रकार एक मौन क्रांति हुई और मेवाड़ का शासक राणा उदय सिंह की इच्छा से न बनकर दरबारियों की इच्छा से महाराणा प्रताप बने। इस घटना को इसी रूप में अधिकांश इतिहासकारों ने उल्लेखित किया है। इसी घटना से एक बात स्पष्ट हो जाती है कि महाराणा प्रताप और उनके पिता राणा उदय सिंह के बीच के संबंध अधिक सौहार्दपूर्ण नहीं थे।

महाराणा प्रताप ने जब अपने पिता राणा उदय सिंह के द्वारा अपने छोटे भाई जगमल को अपना उत्तराधिकारी बनाते देखा तो कहा जाता है कि उस समय उन्होंने सन्यास लेने का मन बना लिया था। लेकिन राज्यदरबारियों की कृपा से उन्हें सत्ता मिल गयी और वह मेवाड़ाधिपति कहलाए। महाराणा प्रताप मेवाड़ के अधिपति बन गये तो उनके मानस को समझकर कई कवियों और लेखकों ने महाराणा संग्राम सिंह और महाराणा प्रताप के बीच खड़े राणा उदय सिंह की उपेक्षा करनी आरंभ कर दी। जिससे राणा उदय सिंह के साथ कई प्रकार के आरोप मढ़ दिये गये। जिससे इतिहास में उन्हें एक विलासी और कायर शासक के रूप में निरूपति किया गया है।

भारत पर नजर गड़ाए बैठे थे ट्रंप, उधर अमेरिका के नाक के नीचे रूस और चीन ने कर डाली गैस पाइप लाइन की बड़ी डील

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पिछले 2 महीनों से भारत पर ही नजरे गड़ाए बैठे हैं। वह इंडिया पर टैरिफ पर टैरिफ बम फोड़ते रहे और दूसरी ओर अमेरिका के सबसे बड़े दो दुश्मन चीन और रूस ने गैस पाइप लाइन की सबसे बड़ी डील कर डाली। यह यूरोप और अमेरिका के लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं।

रूस की गैजप्रोम पीजेएससी ने कहा कि उसने मंगोलिया के रास्ते चीन तक लंबे समय से प्रतीक्षित पावर ऑफ साइबेरिया 2 गैस पाइपलाइन के निर्माण के लिए कानूनी रूप से बाध्यकारी समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं और अन्य मार्गों के माध्यम से आपूर्ति का विस्तार करेगी।

इन समझौतों पर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की चीन यात्रा के दौरान हस्ताक्षर किए गए। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने पिछले महीने खबर दी थी कि चीन मौजूदा पाइपलाइन के माध्यम से और अधिक रूसी गैस खरीदने की कोशिश कर रहा है।

अमेरिका चीन को अपना सबसे बड़ा प्रतिद्वंद्वी और रूस को अपना सबसे बड़ा दुश्मन मानता है। हालांकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पश्चिमी देशों के उन कदमों की आलोचना की है जिनसे उन्हें लगता है कि मास्को और बीजिंग एक-दूसरे के करीब आ गए हैं। लेकिन इस खबर ने अमेरिका को गहरा घाव दिया होगा।

भारत में कब लागू हुआ था GST

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिन 1 जुलाई साल 2017 जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने देश भर में त्स्ज्ञ लागू किया। 2014 में, तत्कालीन वित्त मंत्री अरुण जेटली ने संसद में संविधान संशोधन विधेयक पेश किया। मई 2015 में, संविधान (122वाँ संशोधन) विधेयक लोकसभा में पारित हुआ। इसे स्वतंत्र भारत में सबसे बड़ा कर सुधार बताया गया। यह कर प्रणाली केन्द्र और राज्यों के अनेक अप्रत्यक्ष करों जैसे वैट, सेवा कर, केंद्रीय उत्पाद शुल्क और बिक्री कर को समाहित कर एक ही ढांचे में ले आई है। लागू करने से लेकर आज भी इसमें बदलाव लगातार जारी हैं। अब तक त्स्ज्ञ में सुधार को लेकर 55 मीटिंग हो चुकी है। वहीं आज से त्स्ज्ञ काउंसिल की 56वीं मीटिंग शुरू हो गई रही है। इसकी अध्यक्षता वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण कर रही हैं। इस बैठक में जीएसटी दरों में कटौती के प्रस्ताव और सुधारों पर चर्चा होगी और यह तय किया जाएगा कि किन वस्तुओं पर कितनी जीएसटी लगेगी और किस वस्तु को किस स्लैब में रखा जाएगा। तो चलिए इसके इतिहास के बारे में जानते हैं। फ्रांस दुनिया का पहला देश था जिसने 1954 में त्स्ज्ञ लागू किया। बहुत कम जानते हैं कि भारत में त्स्ज्ञ का ब्रांड एम्बेसडर बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन को बनाया गया है। वहीं असम त्स्ज्ञ विधेयक को मंजूरी देने वाला पहला राज्य बना था।

भारत के SBI ने किया कमाल, बॉन्ड बेचकर विदेशों से जुटाए 50 करोड़ डॉलर; अमेरिकी ट्रेजरी विभाग भी रह गया पीछे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के सबसे बड़े सरकारी बैंक एसबीआई ने बॉन्ड के जरिए विदेशी निवेशकों से 500 मिलियन डॉलर जुटाए हैं। खास बात यह रही कि इस इश्यू का मूल्य अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड से 75 आधार अंक अधिक रखा गया था। यह किसी भारतीय जारीकर्ता द्वारा इस तरह के बॉन्ड के लिए अब तक का सबसे कम मूल्य निर्धारण है। सूत्रों ने बताया कि इस इश्यू के आयोजक एचएसबीसी, सिटी, जेपी मॉर्गन, एमयूएफजी, स्टैंडर्ड चार्टर्ड और एसएमबीसी निक्को थे।

भारतीय स्टेट बैंक ने अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड के मुकाबले अब तक के सबसे कम अंतर पर अंतरराष्ट्रीय निवेशकों से डॉलर बॉन्ड के जरिए 50 करोड़ डॉलर जुटाए हैं। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब कुछ सप्ताह पहले अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसी स्टैंडर्ड एंड पूअर्स ने भारत की सॉवरेन रेटिंग को बीबीबी- से बढ़ाकर बीबीबी कर दिया था। S&P ग्लोबल रेटिंग्स ने भी भारत की रेटिंग को अपग्रेड किया था। एजेंसी ने भारत को सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाली अर्थव्यवस्थाओं में से एक माना है, जिसमें महत्वपूर्ण वैश्विक व्यापार अनिश्चितताओं और भू-राजनीतिक चुनौतियों के बावजूद वित्त वर्ष 22 से वित्त वर्ष 24 तक 8.8% की औसत वास्तविक GDP वृद्धि है।

बॉन्ड इश्यू ने 85 खातों से 1.1 अरब डॉलर से अधिक के ऑर्डर प्राप्त किए। हालांकि एसबीआई ने 50 करोड़ डॉलर की लक्ष्य राशि बरकरार रखने का फैसला किया। इस बॉन्ड को ओवरसब्सक्राइब किया गया, जो एशिया, पश्चिम एशिया और यूरोप के निवेशकों की जबरदस्त मांग को दर्शाता है। एसबीआई बॉन्ड जारी करने की प्रक्रिया को 5 वर्षीय अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड के आधार पर निर्धारित किया गया था और इसकी कीमत बेंचमार्क से 75 आधार अंकों के अंतर पर तय की गई थी।

कितनी इनकम है टैक्सेबल? कैसे करें पता

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईटीआर फाइलिंग की ड्यू डेट में बस कुछ दिनों का समय बचा है। हर नौकरीपेशा व्यक्ति को आईटीआर फाइल करना चाहिए, फिर चाहे आपकी इनकम टैक्सेबल हो या नहीं। इस लेख के माध्यम से हम समझेंगे कि कितनी इनकम टैक्सेबल है या इनकम के अनुसार आपको कितना टैक्स देना होगा। अब आपको अपनी ग्रॉस टोटल इनकम में से सभी Exemption हटाने होंगे। इन Exemption के अंतर्गत उन्हें शामिल किया जा सकता है, जिसमें टैक्स बेनिफिट मिल रहा हो।

इस तरह से आप टैक्सेबल इनकम कैलकुलेट कर लेंगे। अब आपको इसमें Surcharge शामिल कर, Prepaid Tax घटाना होगा। टीडीएस, Advance Tax और SAT प्रीपेड टैक्स के अंतर्गत आता है। इस बार इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने की ड्यू डेट 15 सितंबर रखी गई है। अगर कोई इसके बाद आईटीआर फाइल करता है, तो उसे जुर्माना देना होगा। हालांकि इसकी लास्ट डेट 31 दिसंबर है। 31 दिसंबर के बाद कोई भी टैक्सपेयर आईटीआर फाइल नहीं कर सकता।

रिटायरमेंट पर करना चाहते हैं बड़ी सेविंग, तो नया MF-VRA आएगा बड़े काम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की वरिष्ठ नागरिकों की आबादी 2050 तक लगभग दोगुनी होने का अनुमान है। यानी हर पांचवां भारतीय 60 वर्ष या उससे अधिक उम्र का होगा। ऐसे में एक अच्छा रिटायरमेंट सेविंग प्लान की जरूर अब पहले ज्यादा महसूस होने लगी है। इसके बावजूद भारत में केवल 27% ही कर्मचारी अनिवार्य पेंशन योजनाओं का लाभ उठा रहे हैं।

विकसित देशों के विपरीत, अधिकांश भारतीय अभी भी परिवार से पैसे मांगकर या व्यक्तिगत बचत पर बहुत अधिक निर्भर हैं। उम्रदराजों की बढ़ती आबादी को देखते हुए एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया ने म्यूचुअल फंड-स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति खाता पेश किया है। यह एक स्वैच्छिक पेंशन योजना है जो अमेरिकी 401(के) मॉडल से ली गई है। एमएफ-वीआरए भारत के फलते-फूलते म्यूचुअल फंड उद्योग का उपयोग करके एक सरल, लचीला और पेशेवर रूप से प्रबंधित सेवानिवृत्ति बचत साधन बनाने की बात करता है। यह व्यक्तियों को स्थिर रूप से बचत करने और आत्मविश्वास के साथ रिटायरमेंट होने में सक्षम बनाता है।

औसत भारतीय कर्मचारी के लिए क्या हैं इसमें खास बातें-

1. आकर्षक कर लाभ-योगदान से कर कटौती की पात्रता मिलने की उम्मीद है, जिससे तत्काल राहत मिलेगी और अनुशासित बचत को प्रोत्साहन मिलेगा।

2. बिना किसी रुकावट के बचत- आपका खाता आपकी सभी नौकरियों के साथ चलता रहता है, जिससे आपके पूरे करियर में बिना किसी रुकावट के रिटायरमेंट की बचत होती है।

3. एक्सपर्ट फंड मैनेजर- निवेश का प्रबंधन "Retirement Lifecycle Funds" में विशेषज्ञता वाले म्यूचुअल फंड द्वारा किया जाता है, जो आपके रिटायमेंट की आयु के करीब पहुंचने पर जोखिम और रिटर्न को ऑटोमैटिक रूप से बैलेंस कर देते हैं।

ज्यादा रिटर्न की संभावना- इक्विटी और बाजार से जुड़े एसेट में निवेश करके, स्व्र-ड्ढ्र का टारगेट महंगाई को मात देना और समय के साथ पर्याप्त संपत्ति अर्जित करना है, जिसकी बराबरी पारंपरिक सावधि जमा या सरकारी योजनाएं नहीं कर पाती हैं।

यह योजना न केवल रिटायर हो चुके लोगों के लिए वित्तीय स्वतंत्रता सुनिश्चित करेगी, बल्कि दीर्घकालिक पूंजी को बाजारों में निवेश करेगी, जिससे आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा, यह निजी सेवानिवृत्ति बचत को प्रोत्साहित करके सरकारी सामाजिक सुरक्षा प्रणालियों पर बढ़ते बोझ को कम कर सकती है।

इस फंड ने दिया 3 साल में सबसे ज्यादा रिटर्न, मुनाफा 50% से भी अधिक

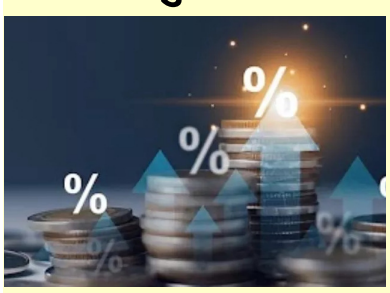

नई दिल्ली (एजेंसी)। म्यूचुअल फंड को आज हर कोई अपने पोर्टफोलियो में शामिल कर रहा है। इसमें आकर्षक रिटर्न मिल जाता है। हालांकि ये रिटर्न बाजार के उतार-चढ़ाव पर निर्भर करता है। म्यूचुअल फंड में निवेश करते वक्त अक्सर ये कनफ्यूजन रहती है कि कौन-से फंड में निवेश करना सही रहेगा। आज हम आपको ऐसे फंड के बारे में बताने वाले हैं, जिसने 3 साल में सबसे रिटर्न दिया है।

किस फंड ने दिया सबसे ज्यादा रिटर्न- Mirae Asset NYSE FANG+ETF FoF 3 साल में सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाला फंड बना है। ये स्नश्वस्नह्य कैटेगरी का है। इस फंड का AUM 2180.94 करोड़ रुपये है। इस फंड ने अब तक 55.80 फीसदी का रिटर्न दिया है।

अगर आप म्यूचुअल फंड में निवेश करने का प्लान कर रहे हैं, तो वित्तीय सलाहकार से बात जरूर करें।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

खंडवा में दो युवक गिरफ्तार, प्रतिबंधित संगठन सिमी में शामिल होने की आशंका

खंडवा। शहर में दो स्थानों से अवांछनीय गतिविधियों और प्रतिबंधित संगठन सिमी की गतिविधियों में लिप्त होने की शंका में पुलिस ने बीती रात दो युवकों को पकड़ा था। यह कार्रवाई महाराष्ट्र एंटी टेररिस्ट स्क्वाड ; एटीएसद्ध से मिले इनपुट पर की गई है। पकड़े गए जलील पुत्र मोहम्मद खिलजी और एक अन्य युवक को हिरासत में लेकर कोतवाली पुलिस द्वारा जांच व पूछताछ की गई।

इस दौरान जलील के पास से एक देशी पिस्टल और मैग्जिन जब्त होने पर उसके विरूद्ध आम्स एक्ट में प्रकरण दर्ज किया गया है। जलिल खिलजी के पिता अकील खिलजी प्रतिबंधित संगठन सिमी का सक्रिय पदाधिकारी था। वर्ष 2011,2012 और 2015 में आरोपित के विरूद्ध शासकीय कार्य में बाधा,विस्फोटक एक्ट और मारपीट के प्रकरण दर्ज है। देश में सिमी का स्लीपर सेल फिर सक्रिय होने से देश भर की जांच ऐजेंसियां इस नेटवर्क को खंगालने में जुटी है। खंडवा सिमी का पहले गढ़ रहने से

आईबी,एनआईए और विभिन्न प्रदेशों की एटीएस की पैनी नजर खंडवा की गतिविधियों पर है। इसी सिलसिले में महाराष्ट्र एटीएस की टीम भी खंडवा में सक्रिय है।

मंगलवार तड़के शहर के पंधाना रोड क्षेत्र की गुलमोहर कालोनी और कहारवाड़ी के चार युवकों को पुलिस की टीम ने पकड़ा था। पूछताछ के बाद दो युवकों को छोड़ दिया जबकि दो को अपने साथ ले गई थी। चर्चा है कि यह कार्रवाई महाराष्ट्र एटीएस ने कोतवाली पुलिस के सात से आठ जवानों के साथ मिल कर की गई।

घटना के बाद स्थानीय पुलिस कोई जानकारी देने और एटीएस द्वारा कार्रवाई की सूचना नहीं होने की बात कहने से युवक के स्वजनों में हडकंप मच गया। जलील के पास से एक पिस्टल और मैग्जिन बरामद होने पर कोतवाली पुलिस द्वारा आम्स एक्ट में प्रकरण दर्ज उसे बुधवार दोपहर बाद न्यायालय में पेश किया गया।

जहां से जेल भेज दिया गया है। कोतवाली थाना प्रभारी अशोक चौहान ने बताया कि आरोपित का अपराधिक रिकार्ड है। युएपीए एक्ट में पहले भी गिरफ्तार हो चुका है। आरोपित के भाई और पिता के विरूद्ध भी महाराष्ट्र में गंभीर अपराध होने से वहां की एटीएस द्वारा भी पूछताछ की गई है। युवकों की धरपकड़ के बाद पुलिस की ओर से कोई जानकारी नहीं मिलने पर हिरासत में लिए गए एक अन्य युवक जुनेद चौहान के पिता खलील पुत्र मोहम्मद इस्माइल चौहान निवासी कहारवाड़ी ने नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 58 अंतर्गत मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी खंडवा के न्यायालय और पुलिस अधीक्षक कार्यालय में लिखित सूचना देकर उसके पुत्र को बिना किसी कारण व सूचना दिए बाजार से बोलेरा वाहन में बैठाकर गुप्त स्थान पर पुलिस ले जाने की शिकायत की थी। खलील ने कहा कि मुझे आशंका है कि मेरे पुत्र मोहम्मद जुनेद के साथ कोई भी गंभीर घटना या दुर्घटनाए कारित कर सकते है या उसे झूठे केस में भी फंसा सकते हैं। इसके बाद पुलिस ने जुनेद को छोड दिया।

शहर में त्योहारों के मद्देनजर बदमाशों, अपराधिक रिकार्ड और प्रतिबंधित वालों की जांच-पड़ताल की जा रही है। सिमी से जुड़े सदस्यों और सहयोगियों पर नजर रखी जा रही है। एटीएस से जलील व अन्य के संबंध में इनपुट मिला था। हिरासत में लेने पर एक पिस्टल व मैग्जिन मिली है। आरोपित को गिरफ्तार कर जांच की जा रही है। इसके लिए कोतवाली थाना प्रभारी व टीम को पांच हजार रूपये का पुरस्कार दिया जाएगा। खंडवा में सिमी की पूर्व में गतिविधियों को देखते हुए जांच एजेंसियां अपने स्तर पर यहां सक्रिय रहती है।

- मनोज कुमार राय, एसपी

पत्थर से सिर फोड़ा होट काटे, 15 टांके आए

आगर मालवा जिले के बड़ौद क्षेत्र के ग्राम ककड़ेल में खेलने के लिए घर से निकला एक नाबालिग झाड़ियों में गंभीर घायल अवस्था में मिला। उसका इंदौर में उपचार चल रहा है। नाबालिग के सिर, चहरे समेत कई अन्य जगह गंभीर चोट हैं। उसके प्राइवेट पार्ट पर भी सूजन हैं। उसे करीब 15 टांके आए हैं।

पुलिस जांच में सामने आया है कि नाबालिग के साथ एक अन्य नाबालिग ने अप्राकृतिक कृत्य करने की कोशिश की थी। पीड़ित ने इसका विरोध किया और यह बात घरवालों को बताने की बात कही। जिससे गुस्साए नाबालिग आरोपी ने उस पर पत्थर से हमला कर दिया। पकड़े गए आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह जो चाहता था, वह काम नहीं होने पर उसने गुस्से में लड़के के सिर पर पत्थर पटक दिया था, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना से घायल बालक के परिजनों में आक्रोश है, उन्होंने पुलिस से कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

बड़ौद थाना प्रभारी कृष्णकांत तिवारी ने बताया कि शनिवार शाम को घर से खेलने निकला बालक रात तक घर नहीं लौटा, जिसके बाद उसकी तलाश शुरू की गई। गांव के ही एक अन्य बालक के साथ उसे आखिरी बार देखा गया था। जब उस बालक से जानकारी ली गई, तो आरोपी ने बताया कि किया कि उसने पीड़ित के सिर पर पत्थर मारा और उसे झाड़ियों में छोड़कर घर आ गया।

बालाघाट डीएफओ के सनसनीखेज आरोप

बालाघाट। सोनेवानी कंजर्वेशन रिजर्व में बिना प्रोटोकाल बाघिन का शव जलाने के मामला ने जनप्रतिनिधि और वन अधिकारी के बीच तनातनी बढ़ा दी है। वन मंडल अधिकारी (उत्तर) नेहा श्रीवास्तव ने बालाघाट से कांग्रेस विधायक अनुभा मुंजारे पर दो लाख रुपये की व्यवस्था करने, गालियां देकर ट्रांसफर करने की धमकी देने का गंभीर आरोप लगाया है। डीएफओ ने विभाग के शीर्ष अधिकारियों को इस संबंध में पत्र भी लिखा है।

विधायक ने डीएफओ द्वारा लगाए गए सभी आरोपों को खारिज किया है। उन्होंने आरोपों को गंभीर मानते हुए डीएफओ पर मानहानि का दावा करने की बात कही है। मीडिया से चर्चा में डीएफओ नेहा श्रीवास्तव ने सिर्फ इतना कहा कि उन्हें 16 अगस्त को विधायक ने वन विभाग के रेस्ट हाउस बुलाया था। कमरा नंबर-एक में उनसे मिली थी। वहां जो घटनाक्रम हुआ, उस संबंध में मैंने विभाग के प्रमुख अधिकारियों को पत्र से अवगत कराया है।

डीएफओ के पत्र में विधायक पर आरोपों की झड़ी

नेहा श्रीवास्तव ने शिकायती पत्र में 16 अगस्त के पूरे घटनाक्रम को बताया। इसमें उन्होंने लिखा है- 16 अगस्त को सार्वजनिक अवकाश के दिन विधायक अनुभा मुंजारे ने फारेस्ट रेस्ट हाउस में मिलने बुलाया गया। वहां विधायक ने मुझसे सीधे 'दो-तीन पेटी' (लाख) की अवैध मांग की। विधायक ने मुझसे व्यक्तिगत रूप से भिड़ने लगीं। पैसों की मांग पूरी करने से मना करने पर विधायक ने शत्रुतापूर्ण व्यवहार किया। मेरे और मेरे परिवार के लिए आपत्तिजनक भाषा इस्तेमाल की। मुझे देख लेने और जिले से ट्रांसफर कराने की धमकी दी। दबाव बनाने के लिए भोपाल मुख्यालय में हड़ताल और धरना देने की धमकी दी। रेस्ट हाउस के बरामदे में विधायक ने दोबारा धमकियां दीं और आपत्तिजनक टिप्पणियां दोराईं। बालाघाट के सभी आईएफएस अधिकारियों के खिलाफ अपमानजनक और अभद्र भाषा का प्रयोग किया। पत्र के जरिए नेहा श्रीवास्तव ने अपनी सुरक्षा और आने वालीं बाधाओं को रोकने के लिए हस्तक्षेप का अनुरोध किया है।

मैंने नहीं डीएफओ ने मुझे मिलने बुलाया था, उनका मानसिक संतुलन ठीक नहीं

अपने लगे आरोपों को झूठा और अनर्गल बताते हुए विधायक अनुभा ने 'नईदुनिया' से चर्चा में कहा कि उल्टा चोर कोतवाल को डांटे। रेस्ट हाउस में मैंने नहीं बल्कि डीएफओ नेहा ने मुझे मिलने बुलाया था। डीएफओ अपने पति डीएफओ (दक्षिण) अधर गुप्ता के साथ मिलना चाहती थी। वह जानना चाह रही थी कि मैं उनसे व उनके पति अधर गुप्ता से क्यों नाराज हूं। मैं कार्यकर्ताओं और निज सहायक के साथ रेस्ट हाउस पहुंची, लेकिन वहां सिर्फ नेहा श्रीवास्तव थीं। अधर गुप्ता के बारे में पूछने पर उन्होंने उनके फील्ड पर होने की बात कही, जिस पर मैंने नाराजगी जताई। पूरी बातचीत के दौरान नेहा का बर्ताव संतोषजनक नहीं था। उन्होंने मेरे और मेरे कार्यकर्ताओं के साथ बदतमीजी की। चूंकि, बाघिन का शव जलाने के मामले में अधर गुप्ता की भूमिका संदिग्ध है और मेरे द्वारा बार-बार ये मुद्दा उठाया जा रहा है, इसलिए वह मुझसे मिलना चाहती थीं। नेहा श्रीवास्तव का मानसिक संतुलन ठीक नहीं है। पति-पत्नी को अपने गिरेबान में झांकना चाहिए कि वह वन विभाग को कैसे लूट रहे हैं। मैं इस मामले की मुख्यमंत्री और वनमंत्री से शिकायत करूंगी, न्यायालय की शरण लूंगी और डीएफओ नेहा पर मानहानी का केस करूंगी।

नशे में धुत पिता ने बेटे पर दराती से किया ताबड़तोड़ हमला, मामूली विवाद में अपनी ही औलाद की ले ली जान

बुरहानपुर। शिकारपुरा थाना क्षेत्र के जयसिंहपुरा गांव में मंगलवार रात एक पिता ने खुद के 21 साल जवान बेटे की दराती मार कर हत्या कर दी। जानकारी के मुताबिक, पिता धनसिंह कुशवाहा शराब के नशे में था। इसी दौरान रात करीब आठ बजे मामूली बात को लेकर बेटे जयेश से कहासुनी हो गई।

गुस्से में उसने पास रखी दराती उठाई और वार कर दिया। घटना के बाद स्वजन जयेश को तत्काल जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर शिकारपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपित धनसिंह को हिरासत में ले लिया।

बुधवार को उसे न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। जयेश का पोस्टमार्टम कर शव स्वजन को सौंप दिया गया है। इस घटना से पूरे गांव में शोक का माहौल है। बताया जाता है कि आरोपित अक्सर शराब के नशे में ग्रामीणों से भी विवाद करता था, लेकिन कोई नहीं सोच सकता था कि अपने ही जवान बेटे की जान ले लेगा।

सिंहस्थ से जुड़े सभी निर्माण कार्य दिसम्बर 2027 तक अनिवार्यतः करें पूर्ण : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सिंहस्थ-2028 महापर्व के सुव्यवस्थित संचालन के लिए दीर्घकालीन कार्ययोजना का समय-सीमा में क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाये। संबंधित विभाग उनके कार्यक्षेत्र में जारी गतिविधियों की निरंतर समीक्षा कर यह सुनिश्चित करें कि सभी निर्माण कार्य दिसम्बर 2027 तक अनिवार्यतः पूर्ण हों। साथ ही भीड़ प्रबंधन तथा समस्त प्रमुख धार्मिक, सांस्कृतिक आयोजनों के लिए आवश्यक समन्वय भी इस अवधि तक सुनिश्चित कर लिया जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रालय में सिंहस्थ-2028 के लिए गठित मंत्रीमंडलीय समिति की चतुर्थ बैठक में ये निर्देश दिए। बैठक में उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह, परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती सम्पतिया उइके, खाद्य, नागरिक आपूर्ति मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत, ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर (स्वतंत्र प्रभार), सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री चैतन्य कुमार काश्यप, संस्कृति राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेन्द्र भाव सिंह लोधी, तकनीकी शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टैटवाल, नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन सहित संबंधित विभागों के अपर मुख्य सचिव एवं प्रमुख सचिव उपस्थित थे।

निर्माण कार्यों और व्यवस्थाओं में स्थानीय निवासियों को बनाएं सहभागी- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ संबंधी निर्माण कार्यों तथा नगर के भीतर के मार्गों के चौड़ीकरण कार्य व अन्य योजनाओं के क्रियान्वयन में स्थानीय निवासियों को सहभागी बनाया जाए और उनके अभिमत को भी महत्व दिया जाए। सिंहस्थ के दौरान पदयात्रियों की सुविधा और वाहनों की पार्किंग का विशेष ध्यान रखा जाए। यह भी सुनिश्चित किया जाए कि इसके संबंध में सूचनाओं की सरल, सहज उपलब्धता सभी तक हो। सिंहस्थ अवधि में स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कचरा प्रबंधन के लिए अद्यतन तकनीक का उपयोग किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बेहतर प्रबंधन के लिए उज्जैन को सात जोन में विभाजित करते हुए पेयजल, स्वच्छता, आवागमन, कानून व्यवस्था, स्वास्थ्य, आवास आदि का प्रबंधन किया जाए। नगर निगम और विकास प्राधिकरण सहित अन्य संबंधित संस्थाओं की क्षमता विकास के लिए समय रहते आवश्यक कदम उठाए जाएं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा विक्रमादित्य वैदिक घड़ी स्थापित करने पर कैबिनेट के सदस्यों ने माना आभार

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा मुख्यमंत्री निवास में विक्रमादित्य वैदिक घड़ी स्थापित किए जाने पर मंत्रि-परिषद के सदस्यों ने शॉल और पुष्प-गुच्छ भेंट कर आभार व्यक्त किया। मंत्रियों ने कहा कि यह पहल भारतीय परंपरा, वैदिक गणना और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को नई पीढ़ी तक पहुंचाने वाली है, जो प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान को और मजबूत करेगी।

विक्रमादित्य वैदिक घड़ी भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक तकनीक का अद्भुत संगम है। यह घड़ी केवल समय बताने तक सीमित नहीं है, बल्कि सूर्योदय, सूर्यास्त, राहुकाल, अभिजीत मुहूर्त और चंद्रमा की स्थिति जैसी जानकारी भी उपलब्ध कराती है। इसमें वैदिक समय के साथ-साथ भारतीय मानक समय और ग्रीनविच मानक समय का तुलनात्मक अध्ययन भी संभव है। इस अनूठी घड़ी के साथ मोबाइल एप भी तैयार किया गया है, जो 189 से अधिक भाषाओं में उपलब्ध है और विश्वभर के 7000 से अधिक स्थानों के लिए समय व पंचांग की जानकारी देता है। मंत्रियों ने कहा कि उज्जैन की वैदिक और सांस्कृतिक परंपरा से प्रेरित यह घड़ी मुख्यमंत्री निवास में स्थापित होना गर्व की बात है। यह पहल प्रदेश की गौरवशाली धरोहर को अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहचान दिलाने के साथ युवाओं को वैदिक विज्ञान और गणना प्रणाली से जोड़ने में सहायक सिद्ध होगी।

मलेरिया नियंत्रण हेतु स्वास्थ्य विभाग द्वारा किये जा रहे हैं विशेष प्रयास

इंदौर। वाहक जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत पिछली बार पायलट प्रोजेक्ट के तहत ड्रोन का उपयोग किया गया था, वहीं इस बार स्पेशल स्क्वॉड के माध्यम से बीमारियों पर लगाम कसने की तैयारी है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हासानी ने बताया कि जिला मलेरिया कार्यालय इंदौर को इस वर्ष राज्य शासन से 24 वर्कर्स का एडिशनल स्क्वॉड प्राप्त हुआ है। यह स्क्वॉड जिले भर में न सिर्फ बुखार के रोगियों की जांच और निगरानी करेगा बल्कि मच्छरों के लार्वा को खोज कर नष्ट भी करेगा। यही नहीं इस स्पेशल टीम द्वारा लोगों को जागरूक भी किया जाएगा ताकि वे अपने आस पास मच्छरों को पनपने से रोक सकें और डेंगू, मलेरिया, चिकुनगुनिया जैसी घातक बीमारियों से बच सकें।

उक्त स्पेशल स्क्वॉड टीम को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हासानी द्वारा हरी झंड़ी दिखाते हुए रवाना किया गया। डॉ. हासानी ने बताया इंदौर जिले में पहली बार यह एंटी डेंगू/मलेरिया स्क्वॉड की स्वीकृति प्राप्त हुई है। इससे मानव संसाधन की कमी से जूझ रहे मलेरिया विभाग को 24 अंशकालिक कार्यकर्ता मिले हैं। ये अस्थाई कर्मी अधिकतम छह महीने के लिए आउटसोर्स एजेंसी के माध्यम से रखे गए हैं।

इंदौर-उज्जैन ग्रीन फील्ड (एक्सेस कंट्रोल) मार्ग के लिए 2,935 करोड़ 15 लाख स्वीकृत

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय में मंत्रि-परिषद की बैठक सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा प्रदेश में %जल जीवन मिशन÷ अंतर्गत पुनरीक्षित योजनाओं में प्रस्तावित लागत में वृद्धि राशि 2,813 करोड़ 21 लाख रूपये राज्य सरकार द्वारा वहन किए जाने का अनुमोदन किया, जो लगभग 13.55 प्रतिशत है।

जल जीवन मिशन के अंतर्गत प्रदेश में अब तक 20 हजार 765 करोड़ रूपये लागत की 27 हजार 990 एकल ग्राम नल जल योजनाओं और 60 हजार 786 करोड़ रूपये लागत की 148 समूह जल प्रदाय योजनाओं की स्वीकृति प्रदान की गई है। स्वीकृत 27 हजार 990 योजनाओं में से 15 हजार 947 ग्रामों की योजनाएं पूर्ण हो चुकी है और 12 हजार 43 योजनाओं के कार्य विभिन्न चरणों में प्रगतिरत हैं। अभी तक कुल 8 हजार 358 योजनाओं के पुनरीक्षण की आवश्यकता हुई है। पुनरीक्षण कार्यवाही के अंतर्गत 7 लाख ग्रामीण परिवारों को क्रियाशील घरेलू नल कनेक्शन उपलब्ध कराने के लिए समस्त परिक्षेत्र के जिलों की प्रस्तुत 8,358 पुनरीक्षित परियोजनाओं के विस्तृत परीक्षण के उपरान्त कुल पुनरीक्षित लागत 9026 करोड़ 97 लाख रूपये की स्वीकृति दिये जाने की अनुशंसा की गई। इन योजनाओं की मूल स्वीकृत लागत 6,213 करोड़ 76 लाख रूपये है।

इंदौर-उज्जैन ग्रीन फील्ड (एक्सेस कंट्रोल) मार्ग निर्माण की स्वीकृति- मंत्रि-परिषद द्वारा इंदौर-उज्जैन ग्रीन फील्ड (एक्सेस कंट्रोल) मार्ग, लंबाई 48.10 कि.मी. का 4 लेन मय पेव्हड शोल्डर एवं दोनों ओर दो लेन सर्विस रोड सहित, हाइब्रिड एन्यूटी मॉडल योजनांतर्गत निर्माण कार्य के लिए भू-अर्जन सहित कुल राशि 2 हजार 935 करोड़ 15 लाख रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गयी है। पूर्व में जारी लोक निर्माण विभाग को प्रदान की गई प्रशासकीय स्वीकृति को निरस्त करते हुए परियोजना को ÷हाईब्रिड एन्यूटी मॉडल÷ पर किए जाने की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदाय की गयी परियोजना के अंतर्गत 34 अंडर पास, 02 फ्लाई ओवर, 01 आर.ओ.बी., 07 मध्यम पुल एवं 02 वृहद जंक्शन का निर्माण सहित सभी जंक्शन का सुधार, सड़क सुरक्षा उपाय, रोड मार्किंग आदि कार्य किये जायेंगे। मार्ग के निर्माण एवं संधारण के लिए कंसेशन अवधि 17 वर्ष रहेगी। उज्जैन मे नवीन रेलवे ओवरब्रिज की स्वीकृति- मंत्रि-परिषद द्वारा आगामी सिहंस्थ-2028 के मद्देनजर उज्जैन शहर में हरिफाटक रेलवे क्रासिंग पर 4 लेन और हरिफाटक चौराहे से नीलकंठ द्वार तक 980 मीटर लंबाई के नवीन रेलवे ओवर ब्रिज के निर्माण के लिए 371 करोड़ 11 लाख रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति सिहंस्थ मद अंतर्गत प्रदान की गई।

नर्मदापुरम-टिमरनी मार्ग निर्माण की प्रशासकीय स्वीकृति- मंत्रि-परिषद द्वारा नर्मदापुरम-टिमरनी मार्ग कुल लंबाई 72.18 किलोमीटर के दो लेन मय पेव्हड शोल्डर निर्माण के लिये हाइब्रिड एन्यूटी मॉडल योजनांतर्गत भू-अर्जन सहित राशि 972 करोड़ 16 लाख रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई।

मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने श्री महाआर्यमन सिंधिया को एमपीसीए अध्यक्ष बनने पर दी बधाईयां

इंदौर। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने श्री महाआर्यमन ज्योतिरादित्य सिंधिया को मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित होने पर पुष्पगुच्छ भेंट कर बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि श्री सिंधिया के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में क्रिकेट नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा। मध्यप्रदेश में क्रिकेट का खेल और खिलाड़ियों को नई दिशा मिलेगा। उन्होंने कहा कि श्री सिंधिया के नेतृत्व में क्रिकेट का खेल ग्रामीण स्तर तक भी तेजी से पहुँचेगा। साथ ही मंत्री श्री सिलावट ने मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों उपाध्यक्ष श्री विनीत सेठिया, सचिव श्री सुधीर असनानी, सहसचिव सुश्री अरुंधति किरकिरे, कोषाध्यक्ष श्री संजीव दुआ, प्रबंधकारिणी सदस्य सुश्री संध्या अग्रवाल, श्री राजीव रिसोडकर, श्री प्रसून कनमड़ीकर, श्री विजेश राणा सहित अन्य सदस्यों को भी बधाई दी है।

नई बजटिंग प्रणाली से होगा मध्यप्रदेश का सर्वांगीण विकास

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश तेजी से औद्योगिकीकरण और विकास की नई ऊँचाइयों की ओर बढ़ रहा है। प्रदेश सरकार का फोकस केवल आर्थिक वृद्धि पर ही नहीं, बल्कि रोज़गार सृजन, आधारभूत संरचना निर्माण और सामाजिक न्याय पर भी है। इसी दिशा में सरकार ने मध्यप्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिये बजट को अगले 5 वर्ष में दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। इससे हर क्षेत्र में निवेश और जनकल्याणकारी योजनाओं को गति मिलेगी। साथ ही बढ़ते बजट प्रावधान में विभागों के बजट पर अनुशासन लगाने की महत्वपूर्ण पहल भी की जा रही है। इसी कड़ी में अब राज्य सरकार ने वित्तीय अनुशासन और दीर्घकालिक विकास की ठोस रणनीति तैयार करते हुए शून्य आधारित बजटिंग और त्रिवर्षीय रोलिंग बजट प्रणाली लागू करने का निर्णय लिया है। उप मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि यह पहल विकसित मध्यप्रदेश 2047 की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में ठोस आधार बनेगी और देश के अन्य राज्यों के लिए भी एक आदर्श साबित होगी। श्री देवड़ा ने कहा शून्य आधारित बजटिंग और त्रिवर्षीय रोलिंग बजट से न केवल प्रदेश की योजनाओं का ठोस मूल्यांकन होगा, बल्कि प्रत्येक खर्च का सीधा संबंध समाज की आवश्यकताओं और राज्य की प्राथमिकताओं से जोड़ा जा सकेगा। यह कदम मध्यप्रदेश को विकसित भारत और विकसित मध्यप्रदेश 2047 की दिशा में सबसे मजबूत आधार प्रदान करेगा।

महत्वपूर्ण है यह पहल- अब तक अधिकांश राज्यों में पारंपरिक बजटिंग पद्धति लागू होती रही है, जिसमें पिछले वर्षों का व्यय आधार बनते थे। इसके विपरीत जीरो बेस्ड बजटिंग में हर योजना को शून्य से शुरू कर उसकी उपयोगिता सिद्ध करनी होगी। इससे अप्रभावी योजनाएँ स्वतः समाप्त होंगी और संसाधनों का इष्टतम उपयोग संभव होगा।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों ने इस प्रणाली को अपनाया है, जहाँ इससे गुड गवर्नेंस और फाइनेंशियल डिसिप्लिन को मजबूती मिली है। अब मध्यप्रदेश इस दिशा में भारत में अग्रणी राज्य बनकर अन्य राज्यों के लिए भी एक मॉडल पेश कर रहा है।

रोलिंग बजट से लगातार फॉरवर्ड लुकिंग दृष्टि- रोलिंग बजट पद्धति से 2026-27, 2027-28 और 2028-29 के लिए बजट बनेगा और हर वर्ष इसकी समीक्षा कर नए अनुमानों को जोड़ा जाएगा। इससे योजनाएँ हमेशा आगे की ओर देखने वाली होगी और अल्पकालिक दबाव से मुक्त होकर दीर्घकालिक विकास को गति मिलेगी।

शहरी क्षेत्रों की सड़कों के निर्माण और मरम्मत कार्य में रखी जाये पारदर्शिता : मंत्री श्री विजयवर्गीय

इंदौर। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि आगामी त्यौहारों के सीजन को देखते हुए सड़क मरम्मत से जुड़े कार्यों को विभाग प्राथमिकता दे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के 413 नगरीय निकायों में सड़क पर बोर्ड के माध्यम से निर्माण एजेंसी और निविदा शर्तों के बारे में नागरिकों और जनप्रतिनिधियों को उससे जुड़ी आवश्यक जानकारी दी जाये। मंत्री श्री विजयवर्गीय सोमवार को मंत्रालय में समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे।

मंत्री श्री विजयवर्गीय ने बताया कि शहरी क्षेत्रों पर लगातार आबादी का दबाव बढ़ रहा है। इसका असर शहरी क्षेत्र की अधोसंरचना पर पड़ रहा है। उन्होंने इस बात को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्यों में गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के लिये कहा। बैठक में जानकारी दी गई कि प्रदेश में वर्तमान में 2 करोड़ 50 लाख से ज्यादा परिवार शहरी परिधि में निवास कर रहे हैं। शहरी क्षेत्र प्रदेश के सकल राज्य घरेलू उत्पाद में 35 प्रतिशत से अधिक योगदान दे रहे हैं। रियल एस्टेट क्षेत्र में 8 लाख 32 हजार से अधिक किफायती घर बनकर तैयार हो चुके हैं और 10 लाख मकान निर्माणाधीन हैं। प्रदेश में अक्टूबर 2019 से अब तक लगभग 51 हजार करोड़ रूपये के निवेश से शहरी कल्याण के कार्य चल रहे हैं। इस सब को देखते हुए शहरी क्षेत्रों में अधोसंरचना पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। विभागीय मंत्री के निर्देश के बाद नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त श्री संकेत भोंडवे ने सड़क निर्माण कार्य से जुड़े अमले को दिशा-निर्देश जारी किये हैं।

जय श्री महाकाल ...

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

एसबीआई में सोने की चोरी का मास्टरमाइंड बैंककर्मी ही निकला

उज्जैन। एसबीआई की महानंदानगर शाखा से कैश और जेवर की चोरी के मामले का खुलासा पुलिस ने कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में मंगलवार रात पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया। इसके साथ ही आरोपियों से चोरी हुए करीब पांच करोड़ के गहने और 8 लाख कैश बरामद कर लिए हैं। जांच में सामने आया कि इस पूरी वारदात के पीछे बैंक के ही आउटसोर्स कर्मचारी का हाथ था।

सोमवार रात हुई इस बड़ी चोरी का खुलासा मंगलवार को तब हुआ, जब सफाई करने पहुंचे कर्मचारी ने बैंक के लॉकर खुले देखे। जांच में सामने आया कि करीब साढ़े 4 किलो 700 ग्राम सोना और 8 लाख रुपये कैश गायब है। मामला दर्ज होते ही एडीजी उमेश जोगा और एसपी प्रदीप शर्मा मौके पर पहुंचे और विशेष टीम बनाई गई। जिसने पता लगाया कि बैंक का ही कर्मचारी जय भवसार (जिशान) इस पूरी वारदात का मास्टरमाइंड था। 16 अगस्त को बैंक में आग लगने के बाद ब्रांच शिफ्टिंग के दौरान उसने अपने साथियों अब्दुला, साहिल, अरबाज और कोहिनूर के साथ पूरी साजिश रची थी। सोमवार रात सभी आरोपी ढाबा रोड पर मिले और करीब ढाई बजे बैंक पहुंचे। जय और अब्दुला ने पीछे के रास्ते से चाबी से गेट खोला और लॉकर से 4 किलो 700 ग्राम सोना और 8 लाख रुपये निकाल लिए। शक से बचने के लिए जय सुबह बैंक में ही मौजूद रहा, लेकिन पुलिस की सख्त पूछताछ में वह टूट गया। इसके बाद पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

पुलिस के साथ साइबर सेल भी जुटा था-मंगलवार को जब एक सफाई कर्मचारी नियमित सफाई के लिए बैंक पहुंचा, तो उसने लॉकर के ताले खुले पाए। इसकी सूचना उसने तुरंत अधिकारियों को दी। जांच के दौरान पता चला कि लॉकर से गिरवी रखे गए करीब 4 किलो 700 ग्राम सोने के आभूषण और 8 लाख रुपये नकद चोरी हो चुके हैं। इसके बाद माधव नगर थाने में एफआईआर दर्ज की गई। एडीजी उमेश जोगा और एसपी प्रदीप शर्मा घटनास्थल पर पहुंचे और विशेष टीम गठित की। चार थानों की पुलिस के साथ साइबर सेल को भी जांच में लगाया गया। टीम की मेहनत से मात्र 24 घंटे में चोरी का खुलासा कर दिया गया।

जय भवसार उर्फ जीशान था मास्टरमाइंड एसपी प्रदीप शर्मा ने बताया कि इस घटना का मास्टरमाइंड जय भवसार था, जो बैंक में 6 महीने पहले आउटसोर्स कर्मचारी के रूप में नियुक्त हुआ था। 16 अगस्त को बैंक में आग लगने की घटना के बाद जब सामान शिफ्ट किया जा रहा था, तभी जय ने चोरी की साजिश रची। एसपी प्रदीप शर्मा के अनुसार, जय भवसार मूलतः हिन्दू था, लेकिन सोशल मीडिया पर एक वीडियो देखकर उसने धर्म परिवर्तन कर लिया था और अपना नाम जीशान रख लिया था। पुलिस इस मामले में ब्रेनवॉशिंग के एंगल से भी जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, चोरी की वारदात को अंजाम देने के बाद सभी आरोपी नेपाल जाकर वहीं सोने का व्यापार करने की योजना बना रहे थे।

स्व. अशोक कुमार झांझोट की चतुर्थ पुण्य स्मृति पर वाल्मीकि रथ का समाज को समर्पण

उज्जैन। मानवता की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है – इसी आदर्श को साकार करते हुए स्वर्गीय अशोक कुमार झांझोट की चतुर्थ पुण्य स्मृति पर उनके पुत्र राजकुमार झांझोट, बड़ी बहन, माताजी एवं संपूर्ण परिवारजन ने समाज के प्रति एक प्रेरणादायी कदम उठाया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में पूरे झांझोट परिवार ने भावुक होकर ÷वाल्मीकि रथ÷ (शव वाहन) उज्जैन शहर और हिंदू समाज को समर्पित किया।

कार्यक्रम की प्रमुख झलकियाँ-इस पावन अवसर पर उज्जैन के समस्त वाल्मीकि समाज पदाधिकारी एवं संगठन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

शिवसेना, गौ रक्षा न्यास एवं हिंदू टाइगर फोर्स के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने भी समाजसेवा के इस अद्भुत कार्य में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। धर्मवीर बजरंग दल संगठन के सदस्य एवं पदाधिकारी कार्यक्रम में सहभागी बने। परम आदरणीय राजू महाराज (आदिशक्ति साधना केंद्र) ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम को आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान की। इंदौर से समाजसेवी व कार्यकर्ता चौधरी पटेल, अरविंद सिंघल, आनंद सिंघल, राजू सिंघल, जैकी-जैकी पेमाले सहित अनेक समाजबंधु विशेष रूप से पधारे।

माझी समाज से राकेश पहलवान भी कार्यक्रम में शामिल हुए।...विशाल सेना प्रमुख रानू वैष्णव ओर सभी वरिष्ठ पदाधिकारी वार्ड क्रमांक 47 से पार्षद गोपाल बलवानी जी अपने कार्यकर्ताओं के साथ उपस्थित रहे।नानाखेड़ा एवं देवासगेट बस स्टैंड से समस्त बस ऑपरेटर, मैनेजर, मालिक एवं मित्रगण बड़ी संख्या में कार्यक्रम का हिस्सा बने।मीडिया बंधु एवं नगर के गणमान्य नागरिकों ने भी इस सामाजिक कार्य की सराहना करते हुए उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

नवनियुक्त शहर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष का किया अभिनंदन

उज्जैन। नवनियुक्त जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विधायक महेश परमार व शहर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश भाटी का स्वागत पूर्व माधवनगर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रजापति अशोक उदयवाल मित्र मंडली द्वारा किया गया। श्री परमार व श्री भाटी पर पुष्पवर्षा की गई, दुपट्टा पहनाकर अभिनंदन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता, गणमान्यजन मौजूद रहे।

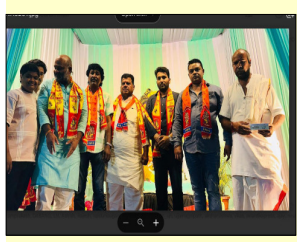

मिट्टी से बने माही के महागणपति, 16 दिनों में तैयार की मनोहारी मूरत

उज्जैन। निजातपुरा स्थित डॉ. पाठक की चाल निवासी माही मगरिया विगत 8 वर्षों से मिट्टी के गणपति बनाकर उसका पूजन कर रही है। इस बार भी माही ने महागणपति की मनोहारी मूरत 16 दिनों में तैयार कर विराजित की है, जिनका प्रतिदिन गणेशोत्सव में पूजन हो रहा है।

कक्षा छठी में पढ़ाई के दौरान माही ने हाथों से मिट्टी के गणपति बनाना प्रारंभ किये। आड़ी, टेढ़ी प्रतिमा बनाते बनाते कब नन्हें हाथों ने सुंदर मूरत बना दी पता ही नहीं चला, पहले शोक और अब अपने हाथों बनी मूरत का पूजन संकल्प बन गया। यही कारण रहा कि नीट की तैयारी कर रही माही मगरिया ने इस वर्ष भी समय निकालकर करीब 2 फीट की सुंदर प्रतिमा बना डाली जो अब घर में विराजमान है, और प्रतिदिन उसका पूजन हो रहा है। माही मगरिया द्वारा 16 दिनों में तैयार चारभुजा धारी स्वरूप में गजानंद गणपति की हाथों में त्रिशुल फरसा थामे प्रतिमा अद्भुत प्रतीत हो रही है। जिसकी स्थापना के बाद से नंदनी मगरिया, कनक मगरिया तथा माही द्वारा प्रतिदिन पूजन किया जा रहा है।

शहर की बेटी ने भोपाल में जीता सोना

उज्जैन शहर की मनस्वी तिवारी ने मुरैना में 31 अगस्त को संपन्न हुई 61 मद्प्रदेश राज्य स्तरीय अथेलिटिक चैंपियनशिप 2025 में स्वर्ण पदक अर्जित किया।

मनस्वी ने 60 मीटर रनिंग स्पर्धा में यह उपलब्धि हासिल की है। मनस्वी पहले भी कई प्रतियोगिताओं में सफलता प्राप्त कर चुका हैं।

मनस्वी के पिता अंकुश तिवारी ने बताया है कि बेटी की इस सफलता पर वे गौरवान्वित हैं। उसकी इस सफलता पर प्रशिक्षक अब्दुल वहाब, सत्यम मिश्रा और अनुज सिसौदिया ने खुशी जताई है।

महाराष्ट्रीयन समाज में हुई संगीत संध्या 'या सुरांनो या'

मप्र सब जुनियर सिलेक्शन फिडे रेटिंग चेस चैंपियनशिप

उज्जैन। महाराष्ट्रीयन समाज उज्जैन द्वारा आयोजित श्री गणेशोत्सव 2025 अंतर्गत स्वरारोह संगीत समूह द्वारा 'या सुरांनो या' की प्रस्तुति दी गई। तिलक स्मृति मंदिर में आयोजित इस संगीत संध्या में बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद रहे।

आयोजन सचिव संजय दिवटे ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि निगम सभापति कलावती यादव रहीं। अध्यक्षता श्रीमती सुदक्षिणा पळशीकर ने की। प्रमुख अतिथि डॉ. मीना मोघे प्राचार्या, कालिदास कन्या महाविद्यालय, डॉ. प्रीति देवले, क्षेत्रीय पार्षद सुशील श्रीवास रहे। विशेष रूप से वेदमूर्ति दिलीप कोरान्ने, चंद्रकांत फटाले, जम्मू पाद्ये, राजा पेंढारकर, बसंत आप्टे, निलेश फड़नीस, जितेंद्र आप्टे, प्रभाकर पाद्ये आदि मौजूद रहे। परिकल्पना व निर्देशन सुचित्रा पंडित का रहा। संयोजक संदीप विपट थे वहीं संचालन लीना कस्तुरे व दाक्षायणी पळशीकर ने किया। निगम सभापति कलावती यादव सहित अतिथियों का स्वागत गणेश उत्सव समिति के अध्यक्ष पंकज चांदोलकर, सुशील मूले, गणेश उत्सव समिति के अध्यक्ष मनोज कार्लेकर, सचिव संजय दिवटे द्वारा स्मृति चिन्ह भेंटकर किया गया। आभार वेदमूर्ति विश्वास कराडकर ने माना।

श्री राम भक्त मंडल ने किया सुंदरकांड, भजन संध्या

उज्जैन। श्री राम भक्त मंडल अशोक नगर द्वारा सुंदर काण्ड भजन संध्या का आयोजन किया। सुंदरकांड भजन संध्या आयोजक दीपक गोईया ने बताया कि श्री राम भक्त मंडल द्वारा अशोक नगर फ्रीगंज में विगत 27 वर्षों से गणेशोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में आयोजित भजन संध्या एवं सुंदरकांड में मुख्य अतिथि के रुप में वार्ड 43 के पार्षद सुनील चावंड उपस्थित रहे। इस दौरान भक्त मंडल के धर्मेन्द्र गोईया, आशीष आठिया, अंशु वर्मा, आकाश धधोरिया, मनीष सुर्यवशी, जितेन्द्र धोलपुरे, सावन तिलकर, आयुष बगोरिया, पियुष ठाकुरिया, दीपक मालवीय, जितेन्द्र मालवीय, आयुष वाडिया, देवा विलवाल, वेदाश साहु सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com